E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा : सुशांत केस : ड्रग्स मामले में साहिल...

वर्ष -07 अंक -48 प्रयागराज, शनिवार 17 अप्रैल, 2021 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पहले विधायक खरीदे अब नोट से वोट खरीदकर दमोह उप चुनाव जीतना चाहते है शिवराज - जीतू पटवारी

भोपाल। पहले विधायक खरीदे अब नोट से वोट खरीद कर दमोह उप चुनाव जीतना चाहते है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। दमोह उप चुनाव में मतदान के एक दिन पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा संदिग्ध गाड़ी और होटल के एक कमरे में करोड़ो रूपए होने की सूचना के बाद मध्य प्रदेश के कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी यह बात कही। पूर्व मंत्री ने कहा कि दमोह उप चुनाव में प्रदेश की भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या करने में लगी है। जिसमें स्थानीय प्रशासन पूरी तरह बीजेपी कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहा है। जीतू पटवारी ने दमोह पुलिस अधीक्षक पर बीजेपी कार्यकर्ता की तरह काम करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि बीजेपी ने पहले विधायक खरीदे और अब नोट से वोट खरीद कर दमोह उप चुनाव जीतना चाहते है।

हवा के माध्यम से फैलने के मजबूती से फैल रहा है कोरोना वायरस, रिसर्च में हुआ खुलासा

नयी दिल्ली। लैंसेट पत्रिका में शुक्रवार को प्रसारित एक नयी अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया कि इस बात को साबित करने के मजबूत साक्ष्य है कि कोविड-19 महामारी के लिए जिम्मेदार सार्स-कोव-2 वायरस मुख्यतः हवा के माध्यम से फैलता है। ब्रिटेन, अमेरिका और कनाडा से ताल्लुक रखनेवाले छह विशेषज्ञों के इस आकलन में कहा गया है कि बीमारी के उपचार संबंधी कदम इसलिए विफल हो रहे हैं क्योंकि वायरस मुख्यतः हवा से फैल रहा है। अमेरिका स्थित कोलराडो बाउल्डेर विश्वविद्यालय के जोस लुई जिमेनजे ने कहा, ''वायरस के हवा के माध्यम से फैलने के मजबूत साक्ष्य है।'' उन्होंने कहा, ''विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियों के लिए यह आवश्यक है कि वे वायरस के प्रसार के वैज्ञानिक साक्ष्य को स्वीकार करें जिससे कि विषाणु के वायुजनित प्रसार को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

मध्य प्रदेश के दमोह उप चुनाव में मतदान के एक दिन पहले गाड़ी में नगदी से हड़कंप,कांग्रेस ने लगाए आरोप

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह विधानसभा उप चुनाव में मतदान के एक दिन पूर्व स्थानीय श्याम नगर क्लब हाउस के पास पैसों से भरी एक गाड़ी मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया है। जिसके बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया और इस मामले की जाँच अधिकारी करने में जुट गए। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन और उनके समर्थकों के साथ पुलिस की जमकर झड़प भी हुई। वही शहर कांग्रेस अध्यक्ष को कोतवाली पुलिस ने हिरासत में लिया। कांग्रेस प्रत्याशी का आरोप है कि श्याम नगर स्थित क्लब हाउस में सरकारी गाड़ी सहित क्लब हाउस के कमरा नं 101 में लाखों रुपये रखे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि क्लब हाउस के रूम नंबर 101 में भी लाखों रुपये रखे हुए है जो मतदाताओं को भाजपा बांटने के लिए रखे है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में दमोह के क्लब हाउस के बाहर खड़ी इनोवा गाड़ी श्इ 04 ऍं 4692 पर मध्य प्रदेश

शासन लिखा हुआ है और इस पर मंत्रालय पार्किंग और विधानसभा का एक पास भी चिपका हुआ है। इस इनोवा गाड़ी को कांग्रेस नेता मंत्री भूपेन्द्र सिंह की गाड़ी बता रहे है। वही इस मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए जिसमें एक इनोवा गाड़ी को पुलिस बल घेरे हुए खड़ा है। दमोह नोट कांड के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आरोप लगाते हुए धन बल का उपयोग करने का आरोप भाजपा पर लगाया है। वही जिस गाड़ी में पैसे होने का आरोप कांग्रेस लगा रही थी उसे पुलिस ने बिना चैकिंग वहाँ से सुरक्षित निकलवा दिया जिसके बाद पुलिस की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। जबकि आरोप लगाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय मीडिया वहां खड़ा था।

पी चिदंबरम ने विजयन के खिलाफ टिप्पणी को लेकर मुरलीधरन पर निशाना साधा

नई दिल्ली। दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ 'कोविडियट' वाली टिप्पणी करने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन पर निशाना साधा और कहा कि यह बयान हैरान करने वाला है। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''खबर है कि केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने केरल के मुख्यमंत्री को 'कोविडियट' करार दिया है। यह हैरान करने वाला है।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या भाजपा नेतृत्व मेंइस तरह की अस्वीकार्य का इस्तेमाल करने के लिए मंत्री को फटकार लगाने वाला कोई नहीं है? गौरतलब है कि विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। मुरलीधरन ने ट्वीट किया, ''केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 'कोविडियट' है। भाजपा नेता ने दावा किया था कि माकपा के वरिष्ठ नेता विजयन की बेटी कोविड-19 से संक्रमित हो गयी थीं, लेकिन उनके संपर्क में आने के बावजूद विजयन ने छह अप्रैल को राज्य में मतदान से दो दिन पहले तक चुनाव प्रचार करना जारी रखा।

रात्रि कर्फ्यू के लिए जारी ई-पास सप्ताहांत कर्फ्यू के लिए भी वैध होगा : दिल्ली सरकार

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को कहा कि जिन लोगों के पास वैध रात्रि कर्फ्यू ई-पास है, उन्हें सप्ताहांत कर्फ्यू के लिए अलग से पास लेने की जरूरत नहीं है। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को सप्ताहांत में कर्फ्यू की घोषणा की थी और संक्रमण की कड़ी तोड़ने के लिए कई पाबंदियों की भी घोषणा की थी, जिसमें मॉल, जिम और ऑडिटोरियम को 30 अप्रैल तक बंद रखना शामिल है। दिल्ली सरकार ने छह अप्रैल को सात घंटे रात्रि कर्फ्यू की घोषणा की। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा महानगर में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करने के बाद ये निणय किए गए थे। डीडीएमए का रात दस बजे से सुबह पांच बजे तक का कर्फ्यू आदेश 30 अप्रैल तक लागू है। डीडीएमए की तरफ से शुक्रवार को जारी पत्र में कहा गया है, ''रात्रि कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सामग्री और सेवाओं के लिए लिया गया पास सप्ताहांत कर्फ्यू के लिए भी वैध है।'' दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर जारी नोटिस में भी कहा गया है, ''अगर आपके पास रात्रि कर्फ्यू के लिए ई-पास है तो आपको सप्ताहांत कर्फ्यू के लिए फिर से आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आपके पास को सप्ताहांत में (दिन के समय) भी वैध माना जाएगा।'' ई-पास उन लोगों को जारी किए जा रहे हैं, जो आवश्यक सेवाओं में कार्यरत हैं लेकिन उनके पास सरकारी पहचान पत्र नहीं है।

उत्तर प्रदेश में रविवार को लॉकडाउन का एलान, मास्क न लगाने पर 10 हजार तक का जुर्माना

लखनऊ। कोविड-19 के मामलों में तेज बढ़ोत्तरी के मद्देनजर उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को 'लॉकडाउन' लागू करने की घोषणा की। कोविड -19 के नए पुष्ट मामलों में हालिया उछाल के मद्देनजर रविवार को उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन लागू किया जाएगा। यह रविवार का लॉकडाउन राज्य भर के सभी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा। इसके अलावा, राज्य सरकार ने फेस मास्क पहनने वाले किसी भी व्यक्ति से 1,000 रुपये का जुर्माना वसूलने का भी फैसला किया है। जबकि पहली बार के अपराधियों के लिए जुर्माना 1,000 रुपये है, उसी व्यक्ति द्वारा दूसरी बार उल्लंघन करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। उत्तर प्रदेश में संक्रमण के 20,510 नए पुष्ट मामले सामने आए। राज्य में अब कोविड -19 के 1.11 लाख से अधिक सक्रिय मामले है। यूपी में संडे लॉकडाउन के नियम शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे रविवार को राज्यव्यापी तालाबंदी के दौरान सार्वजनिक स्थलों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करें। केवल आवश्यक सेवाओं को इस रविवार लॉकडाउन से छूट दी जाएगी। आवश्यक सेवाओं में काम करने वाले व्यवसायों को छोड़कर

सभी कार्यालय रविवार को भी बंद रहेंगे। यूपी में 10 जिलों में प्रतिबंधों के कड़ाई से कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया था, ताकि संक्रमण की दर बढ़े। स्थानीय अस्पतालों को कोविद केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। **यूपी में संडे लॉकडाउन के नियमः** शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे रविवार को राज्यव्यापी तालाबंदी के दौरान सार्वजनिक स्थलों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करें। केवल आवश्यक सेवाओं को इस रविवार लॉकडाउन से छूट दी जाएगी। आवश्यक सेवाओं में काम करने वाले व्यवसायों को छोड़कर सभी कार्यालय रविवार को भी बंद रहेंगे। यूपी में 10 जिलों में प्रतिबंधों के कड़ाई से कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया था, ताकि संक्रमण की दर बढ़े। स्थानीय अस्पतालों को कोविद केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार नए कोविड -19 अस्पताल भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, उत्तर प्रदेश के स्थानीय अस्पतालों को कोरोनावायरस रोगियों के इलाज के लिए सुविधाओं में परिवर्तित किया जाएगा। प्रयागराज में यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज भी एक समर्पित कोविड -19 अस्पताल में बदल जाएगा। 108 एंबुलेंस का आधा हिस्सा, केवल उत्तर प्रदेश में कोविड-19 रोगियों को फेयर करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यूपी सरकार ने कहा कि होम आइसोलेशन के मरीजों का भी ध्यान रखा जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कोरोना वायरस से संक्रमित

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को कहा कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने पिछले दो-तीन दिन में उनके संपर्क आए लोगों से अपनी जांच कराने का आग्रह किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, सूचना एवं प्रसारण, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का प्रभार संभाल रहे जावड़ेकर ने ट्वीट के जरिए खुद के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूचना दी। उन्होंने कहा, ''मैं आज कोविड पॉजिटिव पाया गया। पिछले दो-तीन दिन में जो भी लोग मेरे संपर्क में आए हैं, वे कृपया अपनी जांच करा लें।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा जैसे कई शीर्ष नेता हाल में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

तीनों विधानसभाओं में कांग्रेस के खिलाफ माहौल, भाजपा की जीत निश्चितः पूनियां

जयपुर। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. सतीश पूनिया ने दावा किया कि राज्य में तीनों विधानसभाओं के उपचुनाव में कांग्रेस के खिलाफ माहौल है और भाजपा की जीत निश्चित है। पूनियां ने इसके साथ ही कहा कि जनता ने तय कर लिया है कि तीनों विधानसभाओं में वह भाजपा को जिताकर कांग्रेस की विदाई तय करेगी। पूनियां ने दावा किया कि कानून व्यवस्था की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, किसानों से कर्ज माफी के नाम पर वादाखिलाफी, बिजली-पानी के बिलों में भारी बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने के लिए जनता कांग्रेस के खिलाफ मतदान करेगी। उन्होंने कहा कि पूरे चुनाव प्रचार में भाजपा के प्रति जनता का उत्साह और समर्थन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तमाम षड्यंत्रों और दुष्प्रचार के बावजूद लोग भाजपा पर विश्वास जताते नजर आये। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और तमाम मंत्री सरकार के ढाई साल के बाद भी खाली हाथ जनता के बीच गये, अपनी सरकार की एक भी उपलब्धि को जनता के बीच प्रमाणित नहीं कर पाये पूनियां ने एक बयान में कहा कि जनता इन तीनों उपचुनावों में जनता कांग्रेस को सबक सिखायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही से राज्य में कोरोना वायरस बेकाबू हो गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार कोरोना वायरस के टीके से लेकर दवाइयों तक की मदद राज्य सरकार को कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री और सरकार के स्तर पर इस महामारी से जनता को बचाने के लिए किसी भी तरह के प्रभावी इंतजाम नहीं किये गये हैं।

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

एक सत्य ही आदर्श है
एक सत्य ही अविनाश है,
एक सत्य ही आभास है
एक सत्य ही प्रयास है।
है सत्य के दामन को थामे
हम सकल बढ़ते रहें,
थी पीर की पर्वत ही वो
जो साथ हम चढ़ते रहें।
इस साथ के ही सत्य के
हमें नित्य चढ़ने जाना है,
हो नगण्य ये प्रयास पर
बढ़ना है, बढ़ते जाना है।
आ थाम लो इस सत्य को
ये है सुधा, यह है गरल
आओ मिटाएं साथ में
उस मिथ्या को जो है तरल।
जब सत्य के उस राह पर
तुमको ही चढ़ते जाना हो,
होकर रहे कुछ भी अजब
पर तुमको बढ़ते जाना हो।
आ थाम लो इस सत्य को
ये है सुधा ये है गरल,
आओ मिटाये साथ में
उस मिथ्या को जो है तरल।
जब सत्य के उस राह पर
तुमको ही चढ़ते जाना हो
हो कर रहे कुछ भी अजब
पर तुमको बहते जाना हो।
तब थामना इस हाथ को
आधुनिक जिसे हम कहते हैं,
ना हमारी राह पर
हम सत्य ले सह बहते हैं

डॉ. अनिरुद्ध बासु
स्क्रिप्ट राइटर
(अवैतनिक)

कोरोना वैक्सीन उपलब्धता के लिहाज से पिछड़ा भारत! वैक्सीन मैत्री पर उठे सवाल

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर से कोरोना अपना कहर बरपा रहा है। बता दें कि देश में केवल 24 घंटे में 2 लाख 17 हजार से भी अधिक कोरोना के मामले सामने आए हैं। एक तरफ जहां कोरोना के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है वहीं दूसरी तरफ भारत लोगों को वैक्सीन लगाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक देश में 11.72 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। बात करे दुनिया के अन्य देशों की तो भारत के मुकाबले वाले देशों में लोगों को न केवल वैक्सीन समय पर दी जा रही है बल्कि अन्य देशों के पास वैक्सीन के बड़े-बड़े भंडार भी उपलब्ध है।

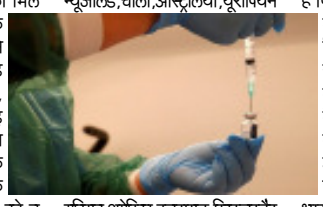

भारत क्यों है पीछे?: भारत ने दो-दो कोरोना की वेक्सीन बनाई लेकिन उसके बावजूद भारत इतना पीछे क्यों रह गया है। बता दें कि इस समय भारत कोरोना वैक्सीन की 1.1 अरब डोज खरीदने वाला है और अमेरिका ही एकलौता देश है जो देश से 2.51 अरब की वैक्सीन खरीदेगा। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन भारत जैसे देश ने जहां दो-दो कोरोना वैक्सीन की डोज बनाई है वो प्रति व्यक्ति वैक्सीन डोज के लिहाज से टॉप 10 देशों में शामिल ही नहीं है। वहीं कनाडा एक ऐसा देश है जो प्रति व्यक्ति के लिए 8.7 वैक्सीन की डोज तैयार कर चुका है। बता करें टॉप 10 देशों की तो यूके दूसरे स्थान पर बना हुआ है उसके बाद न्यूजीलैंड,चीली,ऑस्ट्रेलिया,यूरोपियन यूनियन,अमेरिका,इजरायल,स्विटजरलैंड और 10वें पर दक्षिण कोरिया शामिल है। यकीन मानिए लेकिन इस टॉप 10 देशों में भारत का कोई भी स्थान नहीं है। **यहां जानिए कारणः** भारत इन टॉप10 देशों में शामिल नहीं है इसको लेकर सवाल उठना काफी वाजिब होगा। जिस देश को दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन निर्माता के रूप में देखा जाता है और जहां सीरम जैसा बड़ा वैक्सीन निर्माता इंस्टिट्यूट है इसके बावजूद भी भारत कहां पीछे रह गया? जानकारी के मुताबिक, भारत में न केवल सीरम है बल्कि भारत बायोटेक, ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका जैसी बड़े-बड़े वैक्सीन निर्माता इंस्टिट्यूट है जहां कोरोना वैक्सीन का काम चल रहा है। अब सवाल उठता है कि भारत के मुकाबले अमेरिका और यूरोप और जैसी बड़े आबादी वाले देशों में कोरोना वैक्सीन की डोज ज्यादा है फिर भी भारत वेक्सीन के मामले में पीछे क्यों? वहीं वैक्सीन मैत्री जिसके जरिए 50 देशों को भारत ने वैक्सीन उपलब्ध कराई वहीं बहुत से देश को मुफ्त में भी वैक्सीन उपलब्ध कराई गई उसके बाद अब इस निति पर भी सवाल उठाए जा रहे है। **क्या करना चाहिए था?:** बता दें कि जब भारत में कोरोना के कम केस होने लगे तब भारत ने भारी मात्रा में दूसरे देशों को कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराई, लेकिन मार्च के महीनें में फिर से देश में कोरोना का कहर बरपा तब यह समझिए की देश में फिर से एक बार खतरा मंडराने लगा। इसको देखते हुए क्या सरकार को पहले दूसरे देशों को वैक्सीन भेजना जरूरी समझती थी? इस समय की हालात को देखते हुए कहा जा सकता है कि सरकार की मैत्री निति गलत है क्योंकि भारत सरकार को पहले अपने देश के नागरिकों के बारे में सोचना चाहिए था और अधिक से अधिक वैक्सीन का भंडार जमा करना चाहिए था।

संक्रमण को रोकने के लिए मास्क का प्रयोग जरूरी : जिलाधिकारी

संक्रमित व्यक्ति के परिवार का कोई भी सदस्य दुकानों पर न बैठे

(आधुनिक समाचार)
(आयुष श्रीवास्तव)

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री भानु चन्द्र गोस्वमी ने गुरूवार को संगम सभागार में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों के साथ कोविड के प्रसार को रोकने के सम्बंध में बैठक की। व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन को आश्वस्त किया कि जो भी निर्देश आपकी तरफ से निर्गत होंगे, उसका पूरा-पूरा पालन व्यापार मण्डल करना सुनिश्चित करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जीवन के साथ-साथ आजीविका भी जरूरी है, इसलिए हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि लोग सुरक्षित रहें और उनकी आजीविका भी चलती रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना-2 के चेन को तोड़ना बेहद जरूरी है, इसके लिए कंटेनमेंट जोन को कड़ाई से लागू करना होगा, जिसके अन्तर्गत संक्रमित क्षेत्र को पूरी तरह से सील किया जायेगा और प्रभावित व्यक्ति के परिवार के किसी भी सदस्य का बाहर निकलना प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापार मण्डल यह सुनिश्चित करें कि किसी भी अवस्था में संक्रमित व्यक्ति दुकान पर न बैठे। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग टीमों की संख्या बढ़ा दी गयी है,

जो घर-घर जाकर जांच का कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट कंटेनमेंट जोन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें गे। व्यापार मण्डल वेक प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी के निर्देशों का स्वागत किया और कहा कि सभी निर्देशों का गम्भीरता से पालन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों से मास्क क्रांति लाने के साथ-साथ ही बाजारों में भीड़ न लगने पायें, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों से कहा कि आप सुनिश्चित करें कि प्रत्येक दुकानदार ग्राहकों को तभी सामान देगा, जब वह मास्क लगाकर आयेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापार मण्डल के प्रतिनिधि लोगो को अपनी तरफ से मास्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि दवा की दुकानें नहीं बंद रहेगी, क्योंकि लोगो तक दवा हर-हाल में पहुंचना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि टेस्टिंग की संख्या बढ़ने पर पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या में इजाफा हो सकता है लेकिन स्थिति से घबड़ाने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था उचित रूप में उपलब्ध है। पॉजिटिव व्यक्तियों का प्रकाश में आना जरूरी है, तभी संक्रमण को हम फैलने से रोक सकते है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-श्री सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एडीएम सिटी-श्री अशोक कुमार कनौजिया के साथ अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ़्तार बोलेरो ने स्कूटी सवार दो को रौंदा दोनों की मौत

(आधुनिक समाचार)
(सरफराज अहमद)

फूलपुर/प्रयागराज। फूलपुर कोतवाली के इफको चौकी अंतर्गत भुलाई का पुरा गांव के सामने बीती रात 11:00 बजे स्कूटी द्वारा नरई गांव से वापस आते फूलपुर के फिरोजपुर उर्फ शेखपुर निवासी जान रंजन उम्र 26 वर्ष पुत्र राम बहादुर एवं कुंवारी भूमि राज उम्र 15 वर्ष श्री राम बहादुर नईगांव अपने बहन से मिलकर वापस आते समय भुलाई का पुरा के सामने तेज गति से आ रही बोलेरो ने स्कूटी सवारों को रौंद दिया जिससे मौके पर ही दोनों ने दम तोड़ दिया सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक राजकिशोर एवं चौकी इंचार्ज इफको श्रवण कुमार मौके पर पहुंचे शव को कब्जे में लेकर रातों-रात पी एम हेतु एस आर एन भेज दिया सुरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया।

चुनावी रंजिश में मारपीट दो लोग चूटहिल

(आधुनिक समाचार)
(सरफराज अहमद)

फूलपुर/प्रयागराज।फूलपुर कोतवाली के मैल्हन आजाद नगर गांव में चुनावी रंजिश में गांव के ही 2 परिवारों में मारपीट हो गई जिसमें रिटायर वायु सेना अधिकारी प्रताप बहादुर सिंह को एक पक्ष द्वारा रंजिश में मारपीट कर घायल कर दिया उसी दौरान ज्ञान सिंह उम्र 18 वर्ष शिव मूरत सिंह को गंभीर चोटें आई जिसे निजी अस्पताल में इलाज कराया गया मौके पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने मौके पर शांति व्यवस्था कायम कराते हुए प्रताप बहादुर सिंह को पाबंद कर दिया

पूरे यूपी में रविवार को लॉकडाउन का एलान, मास्क नहीं लगाने पर एक हजार का जुर्माना

(नितिन केसरवानी)
(आधुनिक समाचार)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में रविवार को लॉकडाउन का एलान किया गया गया है. इसके साथ ही मास्क नहीं लगाने पर पहली बार एक हजार का जुर्माना और दूसरी बार में दस हजार का जुर्माना भरना होगा। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. उत्तर प्रदेश

एलान किया गया गया है. इसके साथ ही मास्क नहीं लगाने पर पहली बार एक हजार का जुर्माना और दूसरी बार में दस हजार का जुर्माना भरना होगा।

पूरे उत्तर प्रदेश में रविवार को वीकएन्ड लॉक डाउन यूपी में सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को बंदी रहेगी आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाज़ार दफ़्तर बंद रहेंगे इस दिन व्यापक सेनेटाइजेशन अभियान चलेगा।

शिक्षिका वर्णिका शुक्ला ने शैक्षणिक और सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया

प्रयागराज। बीते साल लॉकडाउन में भय व बंदिश का माहौल था। उस दौर में शिक्षिका वर्णिका शुक्ला ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने के साथ बस्तियों में शिक्षा की अलख जगाई थी। आर्मी पब्लिक स्कूल ओल्ड कैंट की शिक्षिका वर्णिका लॉकडाउन लगने पर ऑनलाइन क्लास के जरिए अपनी कक्षा के बच्चों को दिन में पढ़ाती थीं। जबकि उनका शाम का समय मलिन बस्ती के बच्चों के साथ बीतता था। सलोरी व तेलियरगंज की बस्ती में जाकर बच्चों को पढ़ाती थीं। बच्चों को खाने-पीने व पठन-पाठन की सामग्री उपलब्ध करवाया। बच्चों की मां को स्वच्छता अपनाने की सीख देकर उन्हें कोरोना से बचाव को प्रेरित करती रहीं। वर्णिका कहती है कि बस्तियों के लोग भी समाज का अभिनन्न अंग है, उन्हें उपेक्षित नहीं किया जा सकता। पर्यावरण के लिए किया है कामः वर्णिका सालों से समाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। उन्हें ग्लोबल पीस का प्रयागराज का ब्रांड अंबेसडर बनाया गया था, उसके तहत बेहतर काम करने के लिए उन्हें सूरत में सम्मानित किया गया था। रोटरी मिडटाउन सहित अनेक संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया है। वे अपने स्कूल के बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करती है। उन्हें पौधा लगाने को प्रेरित करने के साथ जागरूकता अभियान चलाती है। इंटरनेट मीडिया से फैला रहीं जागरूकताः वर्णिका इंटरनेट मीडिया के जरिए कोरोना संक्रमण व पर्यावरण संरक्षण का अभियान चलाती है। इसके लिए फेसबुक पेज भी बनाया है। वाट्सएप ग्रुप पर संदेश भेजकर लोगों को संयमित रहने की सीख दे रही हैं।

खौफः शहर से पलायन करने लगे प्रतियोगी छात्र

प्रयागराज। शहर से प्रतियोगी छात्रों का फिर पलायन शुरू हो गया है। कंधे पर बैग लादे युवा ट्रेन और बसों से अपने घर लौट रहे हैं। कोरोना के खौफ से लौटते युवाओं की भीड़ सिविल लाइंस बस अड्डे पर बढ़ रही है।

सलोरी, छोटा बघाड़ा, अल्लापुर, शिवकुटी, गोविंदपुर, तेलियरगंज, मम्फोर्डगंज. रसूलाबाद, म्योराबाद. ओमगायत्री नगर, कटरा, कर्नलगंज, एलनगंज, दारागंज में रहने वाले प्रतियोगी छात्र शहर छोड़कर जा रहे हैं। प्रतापगढ़, सुलतानपुर, फैजाबाद, देवरिया, बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़, गाजीपुर आदि जिलों के छात्रों की भीड़ बस अड्डों पर अधिक है। प्रतियोगी छात्रों का शहर से जाना एक सप्ताह पहले शुरू हो गया था। उस समय अधिकतर छात्र पंचायत चुनाव में वोट डालने के उद्देश्य से जा रहे थे। अब प्रतियोगी छात्रों को लॉकडाउन का डर लग रहा है। सिविल लाइंस बस अड्डे पर खड़े गाजीपुर के योगेश ने बताया कि पिछली बार लॉकडाउन लगा तो यहां बहुत परेशानी हुई। इस बार जोखिम नहीं ले सकते। प्रतापगढ़ के रोशन वर्मा ने बताया कि शहर में हालात भयावह हो गए हैं। कोई परीक्षा भी नहीं होनी है। ऐसे हालात में परिवार के साथ रहना बेहतर होगा।

मम्फोर्डगंज के पार्षद रतन दीक्षित ने बताया कि पिछले साल हजारों छात्र लॉकडाउन में फंस गए थे। इस बार सभी छात्र सावधान हैं। मेंहदौरी के पार्षद मुकुंद तिवारी ने बताया कि होली पर गए छात्रों में से बड़ी संख्या में छात्र नहीं लौटे थे। पर्व के बाद जो लौटे वे अब फिर घर जा रहे हैं।

नैनी के छिवकी स्टेशन में ट्रेन में लगी आग

(आधुनिक समाचार)
(सुधांशु शर्मा)

प्रयागराज। नैनी के छिवकी स्टेशन पे खड़ी दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस में एसी कोच में अचानक आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई।प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर पहुंचते ही दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस केकोच नंबर ए 2 और ए 3 मे आग लग गई।आग बुझाने रेलवे के कर्मचारी तुरंत जुट गए। अभी भी आग बुझाने के कोशिश जारी है।शुक्रवार शाम छिवकी रेलवे स्टेशन पर हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर बोगी में विद्युत घर्षण के चलते एकाएक आग लग गई।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड

गाड़ी पहुंची, कि इसके पहले रेलवे एवं जी.आर.पी व नैनी पुलिस ने काफी मशक्कत करने के बाद आग को बुझा दिया।आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

नैनी कोतवाली क्षेत्र के श्रमिक बस्ती मोहल्ले में बुधवार की रात पतनी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। केंद्रीय कारागार नैनी में बंद विचाराधीन कैदी की गुरुवार शाम इलाज के दौरान एसआरएन अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया

नैनी कोतवाली क्षेत्र के धनुहा गांव के समीप बसवार रोड पर शुक्रवार की सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। जिसकी चपेट में आकर एक अधेड़ की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।वही तीन बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए है। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड गाड़ी पहुंची, काफी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू।जिला प्रशासन के निणर्य से प्रयागराज लाइट एंड साउंड बैंड पार्टी एसोसिएशन की नींद उचट गई है। एसोसिएशन से जुड़े तमाम बैंड बाजा वालों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है कि रात 8:00 बजे से लॉकडाउन किए जाने पर उनका व्यवसाय चौपट हो जाएगा और उनका पूरा परिवार भुखमरी के कागार पर होगा। एसोसिएशन की तरफ से जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी को ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है की शादी ब्याह का सीजन शुरू है। लिहाजा उनको रात 10:00 बजे तक बैंड बाजा लाइट एंड साउंड के इस्तेमाल की अनुमति दी जाए अन्यथा उनका व्यवसाय व परिवार रोटी को मोहताज हो जाएगा।

'कुंभ मेले के तर्ज पर प्रयागराज में अस्थायी कोविड अस्पताल व्यापारियों ने की मांग'

प्रयागराज। जिला उदयोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला अध्यक्ष कादिर भाई ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रयागराज जिला प्रशासन मडलायुक्त , जिलाधिकारी महोदय से यह मांग करता है कि जैसे लखनऊ में मुख्यमंत्री निर्देश पर , केजीएमयू और बलरामपुर हॉस्पिटल अगले 24 घंटे में दो नए डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल से लखनऊ में लगभग 4000 बेड का होगा विस्तार। करने का निर्देश दिया उसी तरह प्रयागराज में भी कुंभ मेला की तर्ज पर किसी स्थान पर (परेड ग्राउंड) अस्थाई कोविड अस्पताल बनाया जाए , जिसका अनुभव प्रशासन के पास बखूबी है। हर वर्ष माघ मेले व कुंभ मेले में ऐसे अस्थायी अस्पताल बनते आये हैं , जिला प्रशासन के पास अनुभव के साथ ही सारे संसाधन वहां उपलब्ध हो सकते , जिलाधिकारी महोदय आपने कुंभ जैसे आयोजन को सकुशल सम्पनन कराया है। आपके कुशल नेतृत्व क्षमता से सभी प्रयागवासी के साथ प्रदेश की जनता भी भलीभांति परिचित है ,आपकी इच्छा शक्ति से इस कार्य को पूरा करने में आपके साथ कंधे से कंधे मिला खड़ा है । जिलाधिकारी महोदय प्रयागराज संक्रमण की दर बहुत तीव्र गति से बढ़ रहा है प्रदेश में प्रयागराज संक्रयण में दूसरे स्थान पर लगातार बना हुआ है , प्रयागवासी बहुत परेशान है , खास कर व्यापारी वर्ग अपने व अपने परिजनों को लेकर बहुत चिंतित है , प्रतिदिन बड़ी संख्या में व्यापारी इस महामारी से संक्रमित हो रहे , बहुत से हमारे व्यापारी साथी इलाज के अभाव में दम तोड़ दे रहे , बड़ी संख्या में लोग फोन कर अपनो के लिए हास्पिटल में भर्ती करवाने के लिए गुहार लगाते है आलम यह है कि कोई भी हास्पिटल में बेड़ नही उपलब्ध हो पा रहा , इस गंभीर समस्या से उबारने के लिए प्रयागराज के व्यापारिओ की आपसे गुहार लगाते है कि आप स्वयं आगे आ कर एक पूरे देश में एक मिशाल देने कार्य करे आपको यथाशीघ्र इस की पहल करनी चाहिए , प्रयागराज का व्यापारी आपके इस पहल में तन , मन , धन से आपके सहयोग के लिए सदैव तत्पर है , जिलाधिकारी महोदय आप प्रदेश सरकार इस गंभीर परिस्थिति पर चर्चा कर जल्द ही इस पहल को अंजाम देने की कृपा करें आपसे यह प्रत्येक प्रयागवासी को आशा ही पूर्ण विश्वास है कि आप जरूर इस पर गंभीरता से विचार कर अस्थायी अस्पताल जल्द निणर्य लेकर प्रयागवासी इस महामारी दौरा कुछ राहत देने कार्य करेंगे प्रत्येक प्रयागवासी आपका सदैव आभारी रहेगा । मांग करने वाले में मुख्य रूप से सतीश केसरवानी , महामंत्री शिवशंकर सिंह , उपाध्यक्ष नरेन्द्र खेड़ा मान्टू , मीडिया प्रभारी हिमांशु निक्की केसरवानी , वरिष्ठ पार्षद राजरूपपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह , अटाला अध्यक्ष फय्याज ,धनजंय सिंह , दिनेश सिंह ,सुरेश गुप्ता ,, राजेश गुप्ता , सोनू साहू ,अतुल केसरवानी , दिलजीत सिंह ,धर्मेंद्र केसरवानी , गोलू गुप्ता , राजीव , अमित साहू , सुरेन्द्र सिंह , विष्णु उपध्याय ,समेत बड़ी संख्या व्यापारिओ ने यह मांग की है ।

एक महीना पहले लौटाई दवाइयां, अब खोजे नहीं मिल रही

प्रयागराज। एक महीना पहले तक सभी इस बात से बेफिक्र थे कि कोरोना की दूसरी लहर कहर बरपा सकती है। शायद इसी वजह से अस्पताल प्रशासन और दवा कारोबारियों ने महामारी से ठीक करने वाली फैबी फ्लू टैबलेट और रेमिडिसीविर इंजेक्शन कंपनियों को वापस कर दिया। एक महीना पहले टैबलेट और इंजेक्शन वापस किया जाना अब सभी के लिए भारी पड़ रहा है।

फैबी फ्लू टैबलेट और रेमिडिसीविर इंजेक्शन होते तो सैकड़ों संक्रमितों की जिदंगी बचाई जा सकती थी। एक टैबलेट और एक इंजेक्शन नहीं होने के कारण अस्पताल में गंभीर मरीजों को लगे वेंटीलेटर बेकार हो गए है। दवाइयों के अभाव में मरीजों की तड़प-तड़प कर मौत हो रही है। डॉक्टर और दवा कारोबारी अब बेबस हैं।

टैबलेट और इंजेक्शन की खासियत -कोरोना से संक्रमित व्यक्ति के फेफड़े में संक्रमण होता है। -फैबी फ्लू टैबलेट, रेमिडिसीविर इंजेक्शन फेफड़े का संक्रमण कम करते हैं। -संक्रमण कम होने पर बीमार व्यक्ति को फैबी फ्लू टैबलेट दी जाती है। -गंभीर और अचेत अवस्था के मरीजों रेमिडिसीविर इंजेक्शन दिया जाता है। -फैबी फ्लू टैबलेट दवा की दुकानों में उपलब्ध थी। -रेमिडिसीविर इंजेक्शन कंपनियां सीधे अस्पतालों को देती हैं। -इनकी मांग कम होने पर फार्मा कंपनियों ने भी उत्पादन रोक दिया। -इन दवाइयों की अवधि अधिक नहीं होने से कंपनियों को वापस की गई। -टैबलेट और इंजेक्शन कहीं उपलब्ध नहीं है। अब अस्पतालों में ये हो रहा है -कोरोना से संक्रमित मरीजों को टैबलेट और इंजेक्शन खरीदने को कहा जा रहा है। -तीमारदार डॉक्टर का पर्चा लेकर शहर की दवा दुकानों के चक्कर काट रहे हैं। -तीमारदार टैबलेट और इंजेक्शन की मुंहमांगी कीमत देने को तैयार हैं। -तीमारदारों को दुकानदार बता रहे है कि ये दवाइयां अभी मिल ही नहीं सकतीं।

बोले दवा कारोबारी दवाइयों की जरूरत नहीं थी तो वापस कर दी गई। अब कंपनियों ने कोरोना से चाव के लिए दवाइयों का उत्पादन शुरू किया है। जल्द कंपनियां बाजार में दवा उपलब्ध कराएंगी।

मतदान के बाद युवक को गोली मारी

प्रयागराज। घूरपुर के नई बाजार कर्मी में गुरुवार शाम को मतदान खत्म होने के बाद प्रधान पद के दो प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। पूर्व प्रधान पति के भाइयों ने एक युवक को गोली मारी दी। इस घटना से वहां हड़कंप मच गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने बताया कि नई बाजार कर्मी निवासी आफताब उर्फ रियाज गुरुवार को प्रधान पद प्रत्याशी नदीम के समर्थन में बूथ पर पहुंचा था। वहीं, पूर्व प्रधान पति अख्तर अपने भाई एखलाक और इस्माइल समर्थकों के साथ मौजूद थे। आरोप है कि मतदान के बाद आफताब का एखलाक से विवाद हो गया। दोनों एक दूसरे पर फर्जी वोटिंग का आरोप लगा रहे थे। झड़प के बाद जैसे ही मतदान केंद्र के बाहर निकले, उनके बीच मारपीट शुरू हो गई।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
सीधे प्रवेश सूचना
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्युनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।
ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।
ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।
नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।
अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com
प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

मतदाताओं को लुभाने के लिए बड़े से बड़े तरीके अपना रहे प्रत्याशी

(आधुनिक समाचार)
(सर्वेश कुमार यस)

वाराणसी/हरहुआ। त्रिस्तरीय चुनाव पंचायत का प्रचार प्रसार पूरे जिले में जोर शोर से चल रहा जिसमें प्रधान पद के प्रत्याशी अपने ही चुनाव प्रचार को लेकर टी शर्ट वितरण कर रहे हैं। तो उस पर व कायदे प्रत्याशी का फोटो और चुनाव चिन्ह छाप कर चल रहे हैं इसी तरह से जिला पंचायत के चुनाव को भी प्रत्याशी शर्ट और टीशर्ट पर प्रत्याशी के चिन्ह को छपवा कर गांव में घूम घूम कर प्रचार प्रसार कर रहे हैं लोगों को लुभाने के लिए घर घर पार्टी व मिठाइयां बांटी जा रही है इतना ही नहीं प्रत्याशी झूठी झूठी बातें करके बस सोच रहे हैं कौन सा तरीका अपनाएं जिस से जीत हासिल हो सके ।बस इसी दिन के इंतजार में जोरों शोर से छल बल कल लगा रहे हैं प्रत्याशी इतना ही नहीं ग्रामीणों से खबर मिल रही है कि बच्चों को खुश करने के लिए चॉकलेट और आइसक्रीम व मिठाइयां भेजी जा रही है घरों में मौसमी फल भी भेजे जा रहे हैं केला अंगूर संतरा के पैकेट भेजी जा रही है जो मतदाता नवाजी के शौकीन हैं उनके घर पर मीट मदीरा भी भेजी जा रही है फलों के पैकेट में अपना चुनाव चिन्ह का परिचय भरकर पहुंचाया जाए रहा। साथ ही साथ वोट देने वाले की विनती की जा रही है इस बाबत मतदाताओं ने कहा कि लॉलीपॉप से भी लोग बदलेंगे नहीं और उसी को करेंगे जो गांव का विकास करेगा प्रत्याशी छल बल कल से बस इतना ही चाह रही है कि 19 तारीख वाली दिन सबसे बड़ा दिन होगा बस केवल अपने विजयी होने का इंतजार में सारे कार नाम अपना रहे प्रत्याशी झूठी झूठी बातें दिलचस्पी बातें लोगों को भ्रमित कर जीत करना चाहते हैं। जबकि प्रशासन की ओर से कहा गया था की कोई भी प्रत्याशी कोई भी प्रकार की सामग्री व पैसा कपड़ा नहीं बाटेंगे । लेकिन सारे कानून को ताक पर रखकर जमकर दारू मुर्गा कपड़ा पैसा इत्यादि का वितरण करा रहे हैं।

प्रयागराज/आस-पास/शहडोल/मैहर समाचार

एसएससी की परीक्षा में गिरफ्तार हुआ मुन्ना भाई

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाने की पुलिस ने एसएससी एवं सीएचएसएल की परीक्षा में परीक्षा देते हुए एक मुनन भाई को शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

उक्त जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया जालसाज अम्बेडकरनगर जनपद के बसखारी थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी चन्दन कुमार पुत्र देवेन्द्र यादव है। एसपी सिटी ने बताया कि पूरामुफ्ती निवासी शिवप्रसाद पाण्डेय अभय मेमोरियल ट्रस्ट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में एसएससी-सीएचएसएल की परीक्षा 15 अप्रैल से चल रही थी। जहां उक्त अभियुक्त दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा था।

दो महीने से वेतन नहीं और कर दिया नौकरी से बाहर

प्रयागराज। टोल प्लाजा पर तैनात 26 टोल कर्मियों को बिना पहले से कोई जानकारी या सूचना दिए नौकरी से बाहर कर दिया गया। उन्हें पिछले 2 महीने की तनख्वाह भी नहीं दी गई है। दोहरी मार से नाराज टोल कर्मियों ने शुक्रवार को टोल प्लाजा पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया।

लालगोपालगंज के अंधियारी टोल प्लाजा पर टीए पद पर 26 टोल कर्मी तैनात थे जिनकी सेवा एक अप्रैल से समाप्त कर दी गई है। निष्कासित टोल कर्मियों का सामूहिक आरोप है कि उनसे कहा गया था कि नौकरी से बाहर निकालने से पहले जानकारी दी जाएगी मगर एक अप्रैल से 26 कर्मियों को बगैर पहले से बताए नौकरी से निकाल दिया गया। पिछले 4 महीने तक की तनख्वाह रोक ली गई थी। विरोध प्रदर्शन करने के बाद 2 महीने की तनख्वाह तो दे दी गई है। मगर अभी 2 महीने का वेतन नहीं दिया गया है। लॉकडाउन के दौरान भी सैलरी नहीं दी गई थी। टोल प्लाजा के जिम्मेदार लगातार टोल कर्मियों का शोषण करने पर आमादा है। इसी वजह से शुक्रवार दोपहर बाद विनीत सिंह, वैभव कांत, सुमित, केशव प्रसाद, वेद मणि पाठक, नारायण पाठक, पंकज कुमार, बबलू तिवारी, देवेंद्र तिवारी, मोहम्मद अयूब, दीपक यादव, अशोक आदि 26 टोल कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। बाकी 2 महीने का पेमेंट एनएचआई से आने के बाद ही दिया जाएगा।

शहडोल संभाग के सर्वांगीण विकास में जुटें अधिकारी-कमिश्नर

कमिश्नर ने दिए अधिकारियो को निर्देश

(आधुनिक समाचार)
(दुर्गेश कुमार गुप्ता)

शहडोल/ब्यौहारी। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा ने शहडोल संभाग के सभी अधिकारियो से शहडोल संभाग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए है। कमिश्नर ने कहा है कि, सभी विभागीय अधिकारी शासन द्वारा संचालित योजनाओ का प्रभावी एवं परिणाममूलक क्रियान्वयन कर शहडोल संभाग के सर्वांगीण विकास को नई दिशा दें। कमिश्नर ने निर्देशित करते हुए आदिम जाति कल्याण विभाग के उपायुक्त श्री जगदीश सरवटे को निर्देश दिए है कि, वे ग्रामीण युवाओ को रोजगार मुहैया कराने के लिए उन्हें ट्राइबल पेंटिंग का प्रशिक्षण दें तथा विशेष पिछड़ी जनजातियो को रोजगार से जोडने के लिए विशेष प्रोजेक्ट तैयार करें। कमिश्नर ने उपायुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को निर्देश दिए है कि वे आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शहडोल संभाग के सभी छात्रावासों में नये सत्र के हिसाब से छात्रावासो में क्या आवश्यकता है इसका आंकलन करे तथा सभी छात्रावासों को दुरूस्त कराएं ताकि आपात स्थिति में छात्रावासो का उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए है कि वे कुपोषण की स्थिति में सुधार और महिलाओ की शिक्षा की स्थिति में कैसे सुधार किया जा सकता है इस संबंध में प्रोजेक्ट तैयार कर प्रस्तुत करें, ताकि प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकें। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक शिक्षा श्री सुखदेव मरावी को निर्देश दिए है कि, शिक्षको को आवश्यक होने पर ही विद्यालय में बुलाया जाए, कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षको को अनावश्यक स्कूल में नही बुलाया जाए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक कृषि को निर्देश दिए है कि शहडोल संभाग में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए क्या आवश्यकतां है इनका आकलन कर प्रस्तुत करें, ताकि खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सके।

चुनाव नजदिकी लेकिन निर्वाचन कार्ड ही नहीं बना

(आधुनिक समाचार)
(सर्वेश कुमार यस)

वाराणसी/हरहुआ। विकासखंड के हरहुआ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नजदीकी आ गया ।लेकिन कोई राजपुर सहित कई गांव में निर्वाचन कार्ड से वंचित रह गए लोग बताते चलें हरहुआ विकासखंड के निर्वाचन आयोग की घोर लापरवाही से ग्रामीणों के युवाओं का निर्वाचन कार्ड नहीं बन पाए जबकि निर्वाचन आयोग मैं कैंप लगाया था। सभी के फार्म भरे भी भरे गए थे लेकिन निर्वाचन कार्ड नहीं बनकर मिला जिससे चुनाव देने वाले युवाओं में आक्रोश दिखा कहा जाता है रक्तदान महादान मतदान यह तीनों सबसे बड़ा दान होता है लेकिन निर्वाचन आयोग की घोर लापरवाही से सैकड़ों से अधिक चुनाव देने से वंचित रह गए । युवाओं व बुजुर्गों ने बताया कि अगली बार भी हम लोग का वोटर आईडी नहीं बना था।

निजी शिक्षकों को रोजी-रोटी का संकट

प्रयागराज। यद्यपि करोना के कारण में समूची अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी मार प्राइवेट शिक्षण संस्थानों व शिक्षकों पर पड़ रही है। एक तरफ से स्कूल-कालेज है जिनके बंद रहने की स्थिति में स्कूल फीस नाम मात्र आती है। फिर भी उन्हे देर सवेर फीस मिल ही जाती है। बच्चों को अगली कक्षा प्रमोट होना है और मार्कशीट प्राप्त करनी है। तो उन्हे साल खत्म होते-होते सम्पूर्ण फीस जमा करनी पड़ती है। जबकि छोटे-बड़े ट्यूशन सेंटर तथा कोचिंग संस्थानों के साथ साथ ऐसा कदापि नहीं है। अगर कोई छात्र-छात्रा कोचिंग ट्यूशन क्लास नहीं करता है। तो वह न तो शुल्क देगा और न ही वह ऐसा करने के लिए किसी भी तरह से बाध्य है।

करोना काल में जब सभी तरह की व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से जारी रखने के लिए सरकारें कवायद कर रही है। तो ऐसी स्थिति में मात्र शिक्षा तंत्र को निशाना बनाना कहां तक तर्कसंगत है और वह भी तब जब लाखों पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार अपनी रोजी-रोटी के लिए ट्यूशन कोचिंग पढ़ा कर अपना जीवन-यापन कर रहे है। तब कोचिंग संस्थानों को पूरी तरह बंद रखकर इन प्राइवेट शिक्षकों के पेट पर लात मारना कहां तक है? बजब सभी तरह की व्यवसायिक गतिविधियों को कोरोना प्रोटोकाल के तहत संचालित किया जा सकता है। तब ऐसे कोचिंग सेंटर जो रजिस्टर्ड हो उन्हे अनुमति दी जाए। इन संस्थानों में शिक्षक एवं छात्र दोनों ही पढ़े-लिखे समझदार वर्ग में आते हैं। जो कोरोना प्रोटोकॉल के अंतर्गत आने वाले सभी नियमों एवं सावधानियों का पालन आवश्यक रूप से करने में सक्षम भी हैं। आज आवश्यकता यह है कि सभी जनप्रतिनिधि एवं सरकार में बैठे हुए जिम्मेदारों को इन लाखों युवा बेरोजगारों की रोजी-रोटी का ख्याल रखना ही पड़ेगा। जो प्राइवेट शिक्षण करते हुए अपने जीवन को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इस शिक्षित वर्ग को बेरोजगारी व भुखमरी के दलदल में धकेल कर सरकारों को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। बल्कि इसके नकारात्मक प्रभाव से शीघ्र ही समाज पर परिलक्षित होने लगेंगे। जिसके लिए सरकार की ढुलमुल व लापरवाही पूर्ण नीतियां पूरी तरह जिम्मेदार होंगी। सरकारी तंत्र को चाहिए कि वह तुरंत ही करोना प्रोटोकॉल के अधीन सशर्तों इन प्राइवेट शिक्षण, कोचिंग तथा ट्यूशन सेंटर्स को खोलने की अनुमति दें। जिससे न केवल शिक्षकों का भरण-पोषण हो सके बल्कि अपने करियर में गंभीर रहने वाले छात्र-छात्राओं को भी पठन-पाठन का उपयुक्त लाभ मिल सके और सभी तनाव व अवसाद से बच सके।

कोरोना मरीजों के हाल चाल पूछने उनके घर पहुंची एसडीएम सुश्री प्रियांशी भंवर ने जानकारी भी ली

(आधुनिक समाचार)
(दुर्गेश कुमार गुप्ता)

शहडोल/ब्यौहारी। ब्योहारी की अनुविभागीय अधिकारी सुश्री प्रियांशी भंवर अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए पूरे क्षेत्र में जानी जाती हैं। सुश्री प्रियांशी भंवर अंचल के कोरोना मरीजों के हाल चाल जानने तथा विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाई का औचक निरीक्षण अपने विभागीय अमले साथ पहुंच कर पूछरही है। उनको उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में भी उन्होंने जानकारी ली इस अवसर पर पुलिस अधिकारी भविष्य भास्कर, तहसीलदार रविंद्र डॉक्टर पाराशर बीएमओए मुख्य नगरपालिका अधिकारी आनंद श्रीवास्तव, वीरेंद्र चतुर्वेदी, हंसराज सिंह, दीपक चतुर्वेदी तथा सफाई मित्र उनके साथ थे। एसडीएम द्वारा कोरोना मरीजों से किए जा रहे सेनीटाइजर प्राप्त हो रही सुविधाओं का जमीनी स्तर से अवलोकन किया। उन्हों ने सीएमओ आनंद श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि पूरे शहर में व्यापक स्तर पर सफाई की जाए जरूरत पड़ने पर सैनिटाइजर मुहैया कराएं तथा मास्क लगाने हेतु अभियान चलाकर मास्क वितरित करें। एसडीएम की अपील व्योहारी की एसडीएम सुश्री भवर ने नागरिकों से गुजारिश की है कि वह अपने घरों में रहे एजरूरत पड़ने पर मास्क लगाएं, 02 गज की दूरी रखें, सैनिटाइजर का उपयोग करें तथा बार बार साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं।

पूर्व कुलपति प्रोफेसर आरपी मिश्र का निधन, पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. आरके द्विवेदी की संक्रमण से मौत

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और अंतरराष्ट्रीय भूगोलविद प्रोफेसर रामेश्वर प्रसाद मिश्र का शुक्रवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह वर्ष 1984 से 1987 तक यहां कुलपति थे। उनका जन्म 5 सितंबर 1930 को हुआ था। मूलरूप से प्रतापगढ़ जनपद के रामपुर संग्रामगढ़ स्थित हनुमानपुर गांव के प्रोफेसर मिश्र ने इविवि से सनतक व परासनतक की पढ़ाई पूरी की। वह तीन साल लोकसभा सचिवालय और नई दिल्ली में सहायक रहे। फिर राष्ट्रीय एटलस संगठन, वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय से जुड़े रहे। देहरादून में तैनाती के दौरान आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध डीएवी सनतकोत्तर महाविद्यालय की सांध्यकालीन कक्षाओं से भूगोल से एमए की पढ़ाई की।

आक्सीजन सिलेंडर से डीजल शेड में काट रहें इंजन

कोरोना मरीजों को अस्पताल में नहीं मिल रहें पर्याप्त आक्सीजन सिलेंडर

(आधुनिक समाचार)
(दिनेश यादव)

मैहर। कोरोना मरीजों की सांसों को टूटने से बचाने के लिए इस समय सबसे अधिक जरूरत जिसकी है वह आक्सीजन सिलेंडर लेकिन इनकी उपलब्धता पर्याप्त नहीं होने से मरीजों की जान पर बन रही है। जिला अस्पताल सहित प्रायवेट अस्पतालों में पहले की अपेक्षा अब आक्सीजन सिलेंडरों की खतपत चौगुनी हो चुकी है। आक्सीजन सिलेंडरों की सप्लाई सार्ट हो चुकी है। वही दूसरी ओर एनकेजे स्थित रेलवे डीजल लोको शेड में कंडम इंजनों को कटाने के लिए आक्सीजन सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। जानकारी के अनुसार जबलपुरी के ठेकेदार द्वारा प्रतिदिन 20 आक्सीजन सिलेंडर लोको शेड में सप्लाई किए जा रहें है। शहर के निजी अस्पताल के प्रबंधकों का कहना है कि आक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई में कमी आई है। वही जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर यशवंत वर्मा का कहना है कि बढ़ते कोरोना संक्रमण के कारण आक्सीजन सिलेंडरों की खपत भी बढ़ी है। एक दिन भी सप्लाई में ब्रेक होता है तो जिला अस्पताल में मुश्किले बढ़ जाएगी। मरीजों के अनुपात के अनुसार आक्सीजन सिलेंडरों की सप्लाई नहीं हो पा रही जिससे चिंता बढ़ गई है।

विधायक के प्रयासों से अल्ट्राटेक और एमपी बिरला परफेक्ट ने करोना की लड़ाई में कसी कमर

(आधुनिक समाचार)
(दिनेश यादव)

मैहर। करोना महामारी जिस तरह से ददजाल बन सारी कायनात को लीलने के लिए आतुर हो रही है आये दिन हो रही मौते माथे पर सिकन की लकीरे खीच रही है इन सभी बातो को दृष्टिगत रखते हुए इस महामारी से निपटने हेतु मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी की अभिनव पहल जिसके लिए उन्हें और सहयोगियों को साधुवाद। क्षेत्र की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए मैहर विधायक ने आज सीमेन्ट उद्योगों के जिम्मेवारो को साथ ले क्षेत्र में इस महामारी से निपटने की बात कही जिसपर एम् पी बिरला परफेक्ट सीमेन्ट उद्योग ने 50 बिस्तर आक्सीजन की सम्पूर्ण व्यवस्था के साथ अतिशीघ्र उपलब्ध कराये जाने की बात कही वही अल्ट्राटेक सीमेन्ट उद्योग ने दो आयुष के डॉक्टर सहित 6 स्वीपर की व्यवस्था के साथ साथ इस बिमारी के रोकथाम हेतु उपचार हेतु जो आवश्यक दवाये है जिनकी उपलब्धता नहीं हो पा रही है यथासीघ्र उपलब्ध कराये जाने की बात कही है साथ ही दोनों सीमेन्ट उद्योगों ने इन व्यवस्थाओं से इतर और भी जो भी आवश्यकता इस बिमारी के उपचार हेतु आवश्यक होगी उपलब्ध कराये जाने की बात कही है। आपदा की इस घडी में मैहर क्षेत्र के वासियो के लिए की गयी इस अद्वतीय व्यवस्था के लिए क्षेत्र की जन मानष ने मैहर विधायक का धन्यवाद ज्ञापित कर हृदय से आभार जताते हुए सहयोग किये जाने वाली कम्पनियो का भी आभार जताया है। क्षेत्र की जन मानष ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में आपदा काल में किस तरह से लोगो का मनोबल बढ़ाते हुए कार्य किये जाते है यह लोगो को मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी से सीखना चाहिए। इस आपदा काल से निपटने हेतु जो सार्थक कदम मैहर एस डी एम द्वारा उठाये गए है वह भी सराहनीय है इसके लिए वे भी साधुवाद के पात्र है।

रोडवेज बसों में अब सीट के अनुसार बैठेंगे यात्री

प्रयागराज। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए परिवहन निगम की ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है। अब बसों में सफर के दौरान सीट के अनुसार ही सवारियों को जगह दी जाएगी। सीट से अतिरिक्त सवारी बैठाने पर चालक और परिचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक टीकेएस बिसेन ने बताया कि शासन की ओर से जो गाइडलाइन जारी की गई, उसी के अनुसार यात्रियों को बसों में बैठाया जाएगा। अतिरिक्त सवारी बैठाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी बोर्ड 10वीं 12वीं परीक्षा टलने से छात्र निराश, सता रहीं ये चिंताएं

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षा टलने से अधिकांश छात्र-छात्राओं में निराशा है। ज्वाला देवी सिविल लाइंस के रघुनंदन यादव, ऋषभ केशरी व सीताराम मिश्रा और ज्वाला देवी रसूलाबाद के 10वीं के छात्र आकाश शुक्ला व अर्पिता मिश्रा को परीक्षा स्थगित होने से निराशा हुई है। समझ नहीं आ रहा कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी करें या अगली कक्षा की पढ़ाई करें। रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज राजापुर में 10वीं के छात्र ऋषभ पांडेय के अनुसार परीक्षा टलने से वैसे तो कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन अगली कक्षा की पढ़ाई में देरी होने पर उस पर प्रभाव पड़ेगा। इसी स्कूल के 10वीं के छात्र आदित्य झा का मानना है कि यह विद्यार्थियों के लिए सुअवसर है। हमें पूरी तैयारी के साथ परीक्षा में प्रतिभाग करना है और अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। रानी रेवती देवी में 12वीं की छात्रा संध्या शर्मा कहती है कि परीक्षा में देरी होने से आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने में कठिनाई हो रही है। आगे बढ़ने के अवसर कम हो रहे है। 12वीं के ही अमन सिंह कहते है कि बोर्ड परीक्षा की तारीख आगे बढ़ने से अनिश्चितता बढ़ गई है। इसकी वजह से बच्चों में तनाव और चिंता आदि पैदा होगी। ज्वाला देवी सिविल लाइंस के 12वीं के छात्र नाइस यादव, ज्वाला देवी रसूलाबाद में 12वीं के छात्र अजीत सिंह ने बताया कि परीक्षा टलने से निराशा हुई। बोर्ड परीक्षा में देरी होने से एक ही चीज बार बार पढ़नी पड़ रही है। आगे की तैयारी में बाधा आ रही है। 12वीं की श्रेया मिश्रा के अनुसार परीक्षा टलने से डर से निकलने का अवसर मिलेगा। हालात सामान्य होने पर परीक्षा और उत्साह से देंगे। बांके बिहारी पांडेय (प्रधानाचार्य रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर) ने कहा, परीक्षा टलना तो बहुत सुखद नहीं है लेकिन कोरोना की भयावह स्थिति को देखते हुए यह निणय्य अच्छा है। परीक्षाएं जरूर संपनन हों क्योंकि बिना मूल्यांकन के परीक्षा का कोई महत्व नहीं है। इससे जिन छात्रों ने बड़ी मेहनत और लगन से तैयारी की है, उन पर अच्छा असर नहीं पड़ेगा। कदम-कदम पर बाधा, कभी न आई ऐसी मुसीबत यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में कदम-कदम पर बाधा आ रही है। इससे पहले कभी इतनी मुसीबत आई हो, किसी को याद नहीं। इतनी अधिक ऊहापोह के कारण बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकृत 56 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं भी असहज हैं। पंचायत चुनाव के कारण 7 अप्रैल को ही टाइम टेबल संशोधित हुआ था। 24 अप्रैल से प्रस्तावित 10वीं व 12वीं की परीक्षा 8 मई से शुरू करने का फैसला हुआ था। उसके एक सप्ताह बीता कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ गईं। इससे पहले परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण में भी काफी परेशानी आई थी। पहले छात्र छात्राओं के बैठने के लिए उनके बीच दूरी के मानक में संशोधन हुआ। 25 नवंबर को जारी केंद्र निर्धारण नीति में कोरोना के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के मकसद से प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए 36 वर्गफीट (3.34 वर्गमीटर) का क्षेत्रफल निर्धारित किया गया था।

निजी कोविड अस्पतालों के बिस्तर हो गए फुल

प्रयागराज। शहर में अगर किसी कोरोना संक्रमित की समस्या अचानक बढ़ जाए तो किसी अस्पताल में भर्ती कराना मुश्किल है। सरकारी के साथ निजी अस्पताल भी भर गए हैं। गंभीर मरीजों को भी लौटाया जा रहा है। लोग मरीजों को बचाने के लिए एक से दूसरे अस्पताल के चक्कर काट रहे है।

नया कटरा के प्रदीप कुमार कोरोना से संक्रमित पत्नी को लेकर गुरुवार को एक से दूसरे अस्पताल का चक्कर काटते रहे। पत्नी का ऑक्सीजन लेवल कम होने पर प्रदीप पहले एसआरएन अस्पताल गए। वहां भर्ती करने से मना करने पर प्रदीप पत्नी को लेकर प्रशासन की ओर से चिन्हित निजी अस्पतालों में गए लेकिन सभी ने बेड फुल होने की बात कहकर भर्ती करने से मना कर दिया। इस दौरान स्थिति गंभीर होने पर प्रदीप पुनः एसआरएन अस्पताल गए तो मरीज की हालत देखकर भर्ती किया गया।

प्रदीप की तरह राकेश मोहन बीमार पत्नी को लेकर दोपहर से एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल का चक्कर काटते रहे। कोरोना से संक्रमित राकेश मोहन की पत्नी का भी ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा था। किसी तरह उन्होंने शाम को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। संतोषजनक इलाज नहीं मिलने पर राकेश ने अस्पताल से मरीज को निकाल लिया। प्रदीप और राकेश मोहन की तरह दर्जनों लोग एंबुलेंस और निजी गाड़ियों में मरीजों को लेकर अस्पतालों के चक्कर काटते रहे। इनमें सबसे अधिक कोरोना से ही संक्रमित थे।

शिक्षक भर्ती के आवेदन में कठिनाई पर शासन गंभीर

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित सनतक (टीजीटी) और प्रवक्ता (पीजीटी) के 15 हजार से अधिक पदों पर भर्ती के ऑनलाइन आवेदन में हो रही कठनाई को लेकर शासन गंभीर है। शासन ने एक सप्ताह पहले उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा से चयन बोर्ड को पत्र लिखकर ऑनलाइन आवेदन न होने पर जवाब तलब किया है। हालांकि चयन बोर्ड ने इसके लिए पूरी तरह से एनआईसी को जिम्मेदार ठहराया है। बोर्ड का कहना है कि एनआईसी को अलग से सर्वर देने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये का भुगतान दो महीने पहले ही कर दिया गया था। उसके बावजूद एजेंसी सर्वर उपलब्ध नहीं करा सकी। कॉमन सर्वर पर आवेदन होने और अभ्यथिय्रों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण कठिनाई हो रही है। सूत्रों के अनुसार एनआईसी ने शासन को भेजे जवाब में अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में सुधार का भरोसा दिलाया है। चयन बोर्ड ने 8 अप्रैल को ऑनलाइन आवेदन की तारीख दस दिन के लिए बढ़ा दी थी लेकिन उसके बावजूद दिक्कत आ रही है। प्रतिदिन औसतन दस हजार आवेदन ही होने की सूचना मिल रही है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से किया अपील कोविड, 19 के नियमों का करें पालन, वर्ना होगी कठोर कार्रवाई

(आधुनिक समाचार)
(मधुसूदन तिवारी)

मऊ। कोरोना पॉजिटिव के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए शुक्रवार को जिलाधिकारी अमित सिंह बंसल ने मऊ जनपदवासियों से अपील किया कि जो लोग कोरोना पॉजिटिव हो गयें है, उन भवनों में कोई अन्य व्यक्ति चाहे वे मालिक हो या किराएदार कतई घर से बाहर न निकले। उन्होंने कहा कि नियमित परिचारक या फिर बर्तन मांजने, झाड़ू पोछा कार्य करने को भी घरों में न आने दें। उनसे संक्रमण का खतरा अन्य घरो में फैल सकता है। श्री सिंह ने ऐसे भवनों स्वामियों व किराएदार को हर हाल में अपने नियमित कार्यों से अपने को दूर रहने का अपील किया है। कहा कि लोग संक्रमण खत्म होने के बाद ही अपनी दिनचर्या को शुरू करें। जिलाधिकारी ने कहा कि इसके विपरीत आवागमन करने वालों का पहचान होने पर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है वह कोविड19 के नियम कानून का पालन करें तभी कोरोना वायरस फैलने से रोका जा सकता है। ऐसे भवनों में सैनिटाइजर कराने की अत्यंत आवश्यकता है। सीढ़ियों, आने जाने वाले स्थानों पर हर हाल में अच्छे तरीके से सेनिटागजर कराने की आवश्यकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे भवनों में यदि निवास करने वाले लोगों में कोई भी लक्षण प्रतीत हो रहा है तो उन्हें अनिवार्य रूप से कोविड का टेस्ट करवाना चाहिए ताकि उनके साथ साथ किसी और का जान सुरक्षित रह सके।

भाजपा नेता की हत्या की साजिश रच रहे तीन शार्प शूटर गिरफ्तार, एसटीएफ ने घेरकर किया अरेस्ट

प्रयागराज। स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने भाजपा के गंगापार ईकाई के जिला मंत्री रोहित केसरी की हत्या की साजिश का पर्दाफाश करते हुए तीन शार्प मो. शानू उर्फ वकील उर्फ लंबू, मनोज सोयरी और दिलशाद अली को गिरफ्तार किया है। कत्ल की साजिश जौनपुर जेल में बंद हत्यारोपित सिराज उर्फ सोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर रची थी। मामले में फूलपुर निवासी सिराज की बीवी, बाबा, आदिल व दो अन्य अभी फरार हैं। उनकी तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं।

एसटीएफ लखनऊ यूनिट के प्रभारी डिप्टी एसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि फूलपुर के लोचनगंज निवासी भाजपा नेता पवन केसरी की आठ मई 2018 की रात चुनावी रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस हत्याकांड में सिराज समेत 11 आरोपितों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेजा था। कुछ दिनों बाद सिराज को नैनी जेल से जौनपुर ट्रांसफर कर दिया गया था। जबकि रोहित अपने भाई पवन के हत्यारोपितों को सजा दिलवाने के लिए पैरवी कर रहे थे। रोहित को सरकारी गनर की सुरक्षा भी मिली हुई है। इसी बीच पता चला कि जौनपुर जेल में बंद सिराज अपने मुकदमे के गवाह को मारने की षडयंत्र रच रहा है। तब एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश के निर्देश पर डिप्टी एसपी लाल प्रताप और इंस्पेक्टर अंजनी कुमार तिवारी की टीम को साजिश का पर्दाफाश करने व अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया। लखनऊ एसटीएफ की टीम प्रयागराज आई और फिर प्रयागराज एसटीएफ की मदद से शूटरों के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद फूलपुर के मो. शानू, मनोज और सोरांव के दिलशाद अली को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी के खिलाफ फूलपुर थाने में मुकदमा लिखा गया है।

पांच लाख रुपये की दी गई थी सुपारी- एसटीएफ का कहना है कि सिराज ने अपने दोस्तों के जरिए हत्या के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी। अपने परिचित के खाते में 75 हजार रुपये एडवांस डाल दिया था, जबकि बाकी रकम काम होने के बाद देने की बात कही गई थी। कत्ल के लिए पैसा, गाड़ी और असलहे की व्यवस्था हो चुकी थी। आदिल अपने साथियों के साथ रोहित की लगातार रेकी भी कर रहा था। साथ ही सिराज के घर और उसके झूंसी स्थित ससुराल में ठहरते थे। पकड़ा गया शानू व मनोज मुंबई के भिवंडी में हुई हत्या के मुकदमे में भी वांछित थे। **रोहित को कलुआ कहते थे शूटर-** शूटर रोहित को असली नाम की बजाय कलुआ के नाम से पुकारते थे। इतना ही नहीं शातिर अपराधी फर्जी सिम कार्ड भी इस्तेमाल करते थे। छानबीन में यह भी पता चला है कि फरार बाबा अपने साथियों के पास असलहा, कारतूस व बाइक रखा था। रोहित की हत्या उस वक्त करने की तैयारी थी, जब वह एक सैलून पर अपना बाल कटवा रहे थे, मगर इससे पहले ही शूटर एसटीएफ के हत्थे चढ़ गए। **सिराज की बीवी करती थी मदद-**हत्या की साजिश रचने से लेकर शूटरों की मदद करने में सिराज की बीवी भी शामिल है। डिप्टी एसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि वह शूटरों को खाना खिलाने से लेकर असलहा रखने की जगह बताती थी। इस मामले में इंस्पेक्टर अंजनी तिवारी की ओर से फूलपुर थाने में सिराज उर्फ सोनू, उसकी बीवी, शानू उर्फ लंबू, बाबा, आदिल, मनोज व एक अन्य के खिलाफ मुकदमा लिखाया गया है।

आईआरटी और एनजीबीयू की परीक्षाएं स्थगित, बैठक में हुआ निर्णय

प्रयागराज। इस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड रूरल टेकनेलॉजी (आईआरटी) और नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय (एनजीबीयू) की परीक्षाएं कोरोना के चलते स्थगित कर दी गई हैं। अब इन परीक्षाओं पर जल्द ही कोई अहम फैसला लिया जाएगा। आईआरटी में 17 से 20 अप्रैल के बीच होनी थी परीक्षा आईआरटी के परीक्षा समिति के सचिव डाक्टर केबी सिंह ने बताया कि 17 से 20 अप्रैल के बीच जो परीक्षा होनी थी वह स्थगित कर दी है। यह परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में कराई जा रही थीं। हालांकि, संस्थान में कोविड-19 गाइडलाइन के अनुपालन में परीक्षाृथयों को दो गज की दूरी पर बैठाकर परीक्षा कराई जा रही थी। इस बीच कोरोना संक्रमित की संख्या अचानक बढ? लगी। ऐसे में निदेशक डा. विमल मिश्र ने आपात बैठक के बाद बाकी परीक्षाएं स्थगित कर दी। आगामी सूचना तक परीक्षा स्थगित रहेगी। एनजीबीयू में 23 अप्रैल से प्रस?तावित थी परीक्षाएं नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय की परीक्षाएं भी 23 अप्रैल से प्रस्तावित थीं। कोरोना के चलते कुलपति प्रोफेसर राम मोहन पाठक ने सभी विभाग के अध्यक्ष और डीन के साथ बैठक बुलाई। इसके बाद परीक्षा स्थगित करने का फैसला लिया गया। परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि नई तिथि पांच मई को जारी की जाएगी।

कदम-कदम पर लापरवाही से बेकाबू हो रहा कोरोना

प्रयागराज। प्रयागराज में कोरोना संक्रमण बढ़ने के एक-दो नहीं बल्कि कई कारण है। जिले में न तो मानक के मुताबिक जांच की जा रही है न ही पहले की तरह संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की खोज (कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग) हो रही है। आरटीपीसीआर जांच की रिपोर्ट आने में हो रही देरी भी संक्रमण बढ़ने की एक बड़ी वजह है। जांच की संख्या बढ़ाने के शासन के निर्देश का पालन भी जिले में नहीं किया जा रहा है। यही वजह है कोरोना संक्रमितों की संख्या का नित नया रिकॉर्ड बन रहा है। **नहीं बरती जा रही पारदर्शिता:** जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का पूरा जोर सूचनाओं को कम बताने पर है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जांच के बारे में स्पष्ट जानकारी न देना है। पहले जिला प्रशासन की ओर से हर रोज दी जानी वाली सूचना में यह दर्ज होता था कि कितनी आरटीपीसीआर जांच हुई, कितनी एंटीजेन और कितनी ट्रूनेट जांच की गई। लेकिन जब से शासन ने आरटीपीसीआर जांच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, तब से यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है और न ही इस बारे में स्पष्ट बताया जा रहा है। 14 अप्रैल को जारी संक्रमितों की सूची से भी जांच के प्रकार का कालम हटा दिया गया। **संक्रमण बढ़ने के पांच प्रमुख कारण-1.मानक के अनुसार नहीं हो रही जांच:** 13 अप्रैल को जारी 2036 संक्रमितों की सूची बता रही है कि कोरोना पॉजिटिव के सबसे ज्यादा मामले एंटीजेन जांच में सामने आ रहे है। दूसरे नंबर पर आरटीपीसीआर और फिर ट्रूनेट है। 2036 में से 1197 यानी 59 प्रतिशत संक्रमित एंटीजेन जांच से सामने आए तो आरटीपीसीआर से 687 संक्रमितों के बारे में जानकारी हुई, जो कुल संक्रमितों का 34 प्रतिशत है जबकि सात प्रतिशत यानी 151 संक्रमित ट्रूनेट जांच से पकड़े गए। बता दें कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने 70 प्रतिशत आरटीपीसीआर और 30 प्रतिशत एंटीजेन जांच के निर्देश दिए है। सूत्रों के मुताबिक जिले में स्थिति इससे ठीक विपरीत है। स्वास्थ्य विभाग का स्पष्ट तौर पर मानना है कि कोरोना की स्थिति उन्हीं राज्यों में बिगड़ी है, जहां आरटीपीसीआर जांच मानक से कम हो रही है। **2.संक्रमितों के संपर्क वालों की खोज नहीं:** यह कहना गलत नहीं होगा कि जिले में संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की खोज (कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग) का काम एक तरह से बंद ही कर दिया गया है। पहले किसी व्यक्ति के संक्रमित होने पर उसके संपर्क में आए लोगों की खोज कर जांच की जाती थी। संपर्क में आए लोग जांच नहीं करवाते थे तो उस इलाके के प्रभारी अफसर उसे फोन करते थे। अब इसकी किसी को पहवाह नहीं है। संपर्क में आए अन्य लोगों को छोडि़ए परिवार के सदस्यों तक की जांच नहीं करवाई जा रही है। लोग डरे हुए है इसलिए खुद जांच करवा रहे हैं। **3.आरटीपीसीआर की जांच में देरी:** आरटीपीसीआर जांच के लिए पिछले साल शासन ने कई इंतजाम किए थे लेकिन उसका कोई विशेष फायदा नजर नहीं आ रहा है। संक्रमितों की आरटीपीसीआर जांच तीन से चार दिन बाद मिल रही है। जांच के इंतजार में संक्रमित की हालत बिगड़ जा रही है और अस्पतालों में उसे यह कह कर भर्ती नहीं किया जा रहा है कि जब तक रिपोर्ट नहीं होगी भर्ती नहीं किया जाएगा। हालत यह है कि लोगों को अपनी रिपोर्ट पता करने के लिए सिफारिश लगानी पड़ रही है। **4.स्टेशन पर हो रही लापरवाही:** किसी से छिपा नहीं है कि महाराष्ट्र में हालत बिगड़ने के बाद एक बार फिर प्रवासी अपने घर को लौटने लगे है। इसकी गवाह मुम्बई की ट्रेनें है। मुम्बई और पुणे से आने वालों की स्टेशन पर जांच या तो हो ही नहीं रही है और हो भी रही है तो सिर्फ फर्जअदायगी या खानापूरी। वहां से संक्रमित होकर आए लोग अपने गांव-मोहल्लों में जाकर संक्रमण को विस्तार दे रहे हैं। **5.कंटेनमेंट जोन बनाने में लापरवाही:** जिले में शासन के आदेश के मुताबिक कैंटेनमेंट जोन नहीं बनाए जा रहे हैं। घर के सामने बांस-बल्ली लगाकर औपचारिकता पूरी की जा रही है। इतना ही नहीं एंटीजेन जांच में संक्रमित मिलने वाला व्यक्ति इत्मिनान से बाजार में घूमकर लोगों को संक्रमित कर रहा है, जिसकी किसी को परवाह नहीं है।

टीएमसी नेता के खिलाफ भाजपाइयों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से टीएमसी नेता सुजाता मंडल खान द्वारा अनुसूचित जाति के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किए जाने पर निंदा करते हुए कानूनी कार्यवाही करने की मांग को लेकर भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा है।

महानगर अध्यक्ष ने कहा कि टीएमसी नेता द्वारा अनुसूचित वर्ग के लोगों को भिखारी कहे जाने पर सिर्फ बंगाल के ही नहीं बल्कि पूरे देश के अनुसूचित वर्ग के लोगों को अपमान किया गया। इस प्रकार का बयान घोर आपत्तिजनक एवं निंदनीय है। जिसकी भारतीय जनता पार्टी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आपत्तिजनक बयान आईपीसी के कई प्रावधानों का उल्लंघन करती है। ऐसे में टीएमसी नेता सुजाता मंडल खान के खिलाफ संवैधानिक कार्रवाई किया जाए। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि अभी हाल ही में एक दिन पूर्व सुजाता मंडल खान ने बंगाल में रहने वाले अनुसूचित जाति के लोगों पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अनुसूचित जाति के लोग भिखारी स्वभाव के होते हैं और ममता दीदी के इतना करने के बाद भी इस वर्ग के लोग बीजेपी के पास भीख मांगने पहुंच गए। इसी आपत्तिजनक बयान को लेकर भाजपाइयों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इस दौरान मुख्य रूप से कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, राजू पाठक, गिरिजेश मिश्रा, भोला तिवारी, रजत गुप्ता, अनुराग सोनकर, सुनील शुक्ला, संजीव पांडे, मुकेश लारा आदि रहे।

एसएससी की परीक्षा में गिरफ्तार हुआ मुन्ना भाई

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाने की पुलिस ने एसएससी एवं सीएचएसएल की परीक्षा में परीक्षा देते हुए एक मुनन भाई को शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

उक्त जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया जालसाज अम्बेडकरनगर जनपद के बसखारी थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी चन्दन कुमार पुत्र देवेन्द्र यादव है। एसपी सिटी ने बताया कि पूरामुफ्ती निवासी शिवप्रसाद पाण्डेय अभय मेमोरियल ट्रस्ट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में एसएससी-सीएचएसएल की परीक्षा 15 अप्रैल से चल रही थी। जहां उक्त अभियुक्त दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। जिसे शुक्रवार दोपहर बाद गिरफ्तार करके जेल भेजा जा रहा है।

भाग्य का पिटारा बन्द,लगाए जा रहे कयास

लालापुर/(प्रयागराज)। मतदान समाप्त होते ही प्रत्याशी अपनी अपनी जीत पक्की मानकर वोट की आपस मे समीकरण की गिनती सुरु कर दी।प्रत्याशियों को खुश करने व अपनी चाय पान की जुगाड़ में लोग वाह वाही से बाज नही आ रहे,चाहे उनके प्रत्याशी की ओट जीत स्तर की न पड़ी हो लेकिन अपने प्रत्याशी को सैकड़ों मत से जीत की गिनती बताकर अपना जुगाड़ खाने पीने का पक्का कर रखे है।जहाँ से मत मिला भी नही जबरजस्ती गिनाकर खुश कर रहे।अब देखना ए है कि इस बार भाग्य का पिटारा से किसके शिर ताज लिखा है,क्षेत्र में कई पोलिग बूथ पर कांटे की टक्कर प्रधान पद की रही।ज्यादातर गाँवो का समीकरण बदलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता,थोड़े ही वोट से जीत हार का फैसला होना निश्चित है।

पूरे संसार में सबसे अच्छी लाख केवल भारत में : डॉ वीके द्विवेदी

प्रयागराज। अंग्रेजों ने 1917 में नामकुम रांची में भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान की स्थापना 500 हेक्टेयर क्षेत्र में किया और 20 सितम्बर 1924 को उन्होंने इसे भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान की स्थापना पूर्णरूपेण किया। पूरे संसार में सबसे अच्छी क्वालिटी की लाख केवल भारत में पैदा की जाती है। उक्त जानकारी बायोवेद शोध संस्थान के निदेशक डॉ. वी.के द्विवेदी ने देते हुए बताया कि अंग्रेज भारत में उत्पादित लाख का 80 प्रतिशत अपने देश ले जाते थे और वहां से प्रोसेसिंग करके हम लोगों को बेचते थे। स्वतंत्रता के इतने दिनों बाद भी भारत में उत्पादित लाख का निर्यात संसार के सौ देशों में आज भी हो रहा है। हमारे यहां से कच्ची लाख बाहर जाती है और वहां से प्रोसेस होकर फिर भारत में आयात की जाती है। कई देशों ने इस कीड़े को अपने यहां ले जाकर लाख बनाने का काम किया, लेकिन इतनी अच्छी क्वालिटी की लाख यह अन्य देशों में नहीं बनी। जिसका मुख्य कारण भारतवर्ष की बायोडायवर्सिटी को जाता है। भारत में सबसे ज्यादा लाख झारखंड में पैदा होती है, जबकि झारखंड में जितनी लाख होती है उसका 60 प्रतिशत खरीददार उत्तर प्रदेश है। बायोवेद शोध संस्थान ने 2000 से उत्तर प्रदेश में लाख की खेती पुनः प्रारम्भ कराई। कभी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, सोनभद्र जिले में लाख की खेती बहुतायत होती थी और मिर्जापुर में लाख के लगभग 45 कारखाने हुआ करते थे। लेकिन वर्तमान में एक भी कारखाना नहीं है। लाख की खेती से जहां लोगों को स्वरोजगार मिल सकता है, वहीं कोविड-19 से भी लोगों को निजात दिलाया जा सकता है।

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि बायोवेद शोध संस्थान ने पेड़ पौधों के संरक्षण का कार्य आमदनी और स्वरोजगार से लिंक कर दिया है। इसके लगाने से ग्राउंड वाटर लेवल अपने आप बढ़ने लगता है और वर्षा आधारित क्षेत्रों में पानी का स्तर अपने आप उठता है। बुंदेलखंड ऐसे क्षेत्र में जहां पलाश पेड़, बबूल, कुसुम, सीरीस, गलवाग, जंगल जलेबी, फ्लेमेंजीया आदि बहुतायत संख्या में पेड़ उपलब्ध हैं और इन पेड़ों को लगाने की जरूरत नहीं है। बशर्ते इनको चार महीने ना काटा जाए तो यह अपने आप में जंगल का रूप धारण कर लेते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में एक साल तक शासन एवं प्रशासन को अपने स्तर से लाख की खेती को प्रमोट करना होगा। भारतीय प्राकृतिक लाल एवं गोंद संस्थान नामकुम रांची में आईसीआर का बहुत बड़ा एक शोध संस्थान है। जिसके निदेशक डॉ. के.के शर्मा एवं कई वैज्ञानिकों के साथ लाख की खेती पर रिसर्च एवं एक्सटेंशन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में लाख की खेती को बढ़ावा देने हेतु यह संस्थान बायोवेद कृषि एवं प्रौद्योगिकी शोध संस्थान से पिछले दस वर्षों से एक एमओयू करके लाख की खेती को बढ़ावा दे रहा है।

रमज़ान के पहले जुमा पर मस्जिदों मे बा जमात नमाज़ नहीं हुई-घरों मे नमाज़ पढ़ने पर रही तरजीह

प्रयागराज। कोरोना संकट के दौर मे यह दूसरा साल है की किसी प्रकार की सामुहित्का वाले आयोजन से लोग खुद बा खुद परहेज़ कर रहे हैं।मस्जिदों मे चन्द लोग ही पहौँच रहे हैं।अधित्तर लोग माहे रमज़ान मे घरों मे रहकर ही सारे मज़हबी अहकाम निभा रहे हैं।देश भर मे कोरोना महामारी के खौफनाक मंज़र से लोग दहले हुए हैं।यही वजहा है की सरकार की गाईड लाईन पर लोग खुद से अमल कर रहे हैं।आज माहे रमज़ान के पहले जुमा की नमाज़ भी बहोत कम संख्या मे लोगों की उपस्थिति मे हुई।ज़्यादातर लोगों ने अपने अपने घरों मे नमाज़ अदा करने को तरजीह दी।ओलमाओं ने पहले ही लोगों से अपील की थी की मस्जिदों में न आकर लोग अपने घरों मे रहकर ही माहे रमज़ान के सारे अराकान अदा करें।धार्मिक एवं सामाजिक संस्था उम्मुल बनीन सोसाईटी के महासचिव सै0मो0अस्करी के मुताबिक़ शिया जामा मस्जिद चक ज़ीरो रोड मे इमाम ए जुमा वल जमात हसन रज़ा ज़ैदी करैली की मस्जिद खदीजा में मौलान रज़ी हैदर ने मात्र पाँच लोगों की उपस्थिति मे नमाज़ पढ़ाई। मस्जिद खदीजा के मुतावल्ली हसन आमिर ने मस्जिद मे पाँच लोगों के प्रवेश के बाद मस्जिद का गेट बन्द करवा दिया।ताकि सरकारी गाईड लाईन का उलंघन न होने पाए। वहीं चौक स्थित जामा मस्जिद, दायरा शाह अजमल, बख्शी बाज़ार,बैदन टोला, दायरे की छोटी मस्जिद, बरनतला, सब्ज़ी मण्डी, दरियाबाद, रसूलपूर, अटाला, अकबरपूर, रानीमण्डी, बहादुरगंज, हटिया,नैनी चिकवनटोला, सिविल लाईन्स, नवाब युसूफ रोड, धोबीघाट सहित शहर और ग्रामीण इलाक़ो दांदूपूर, बिसौना,असरावल आदि की मस्जिदों मे कोरोना गाईड लाईन का शत प्रतिशत पालन करते हुए सामुहित्का पर कोरोना का ग्रहण लगा रहा कहीं भी बा जमात नमाज़ नहीं पढ़ी गई।शहर भर मे रोज़ादारों ने जुमा की नमाज़ के बाद इस खतरनाक वबा के खात्मे के साथ अहले वतन को इस महामारी से महफूज़ रखने की दूआ मांगी।

पटाखे की दुकान में आग लगने से झुलसे एक युवक की मौत, तीन घायल

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के मामा भांजा तालाब के समीप शुक्रवार की सुबह पटाखे की दुकान में आग लगने से झुलसे युवक की उपचार के दौरान शाम को मौत हो गई। हादसे में झुलसे तीन अन्य लोगों का उपचार जारी है। अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार सुबह एक पटाखे की दुकान में लगी। आग से झुलसे सुधीर सिंह 40वर्ष पुत्र जानकी सिंह निवासी मीरापुर अतरसुइया की स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में उपचार के दौरान शाम को मौत हो गई। जबकि हादसे में झुलसे विशाल 15वर्ष, पुत्र राकेश कुमार निवासी मोहीउद्दीन घूरपुर, आदर्श 12वर्ष, रामू 10वर्ष पुत्रगण अशोक कुमार गौड़ निवासी नयापूरा बसवार घूरपुर को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में उपचार जारी है। पटाखे की दुकान अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरापुर निवासी लक्ष्मणदास की है। वह दुकान पर नहीं था। उसकी दुकान में उक्त सभी लोग काम कर रहे थे। आग लगने की सूचना पर अगिन्शमन दल के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के बाद, उक्त सभी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था। जहां शाम को सुधीर सिंह की मौत हो गई। पुलिस शव का पंचनामा करके विधिक कार्रवाई कर रही है।

उप्रः वन अधिकारी का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उप्र, प्रयागराज ने शुक्रवार को सहायक वन संरक्षक-क्षेत्रीय वन अधिकारी 2020 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। परिणाम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के सचिव जगदीश ने बताया है कि उक्त परीक्षा की लिखित परीक्षा का परिणाम 06 अप्रैल 2021 को घोषित किया गया था। जिसके आधार पर साक्षात्कार के लिए 26 अभ्यर्थी सफल घोषित हुए थे। जिनका इण्टरव्यू आयोग द्वारा 13 अप्रैल 2021 को सम्पनन्न हुआ, जिसमें तीन अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सचिव के अनुसार प्रशन्गत परीक्षा के आधार पर चयन हेतु उपलब्ध क्षेत्रीय वन अधिकारी की 12 रिक्तियों के सापेक्ष 12 अभ्यथिर्यों को अंतिम चयन परिणाम में सफल घोषित किया गया है। उन्होंने बताया है कि उप्र के बाहर की महिला अभ्यथिर्यों का परिणाम उप्र राज्य सरकार द्वारा हाईकोर्ट में योजित विशेष अपील में दिये जाने वाले अंतिम निणय के अधीन रहेगा। इसके साथ ही जिन अभ्यथिर्यों के सम्मुख प्रोविजनल शब्द अंकित हैं, वे अपने वांछित अभिलेख निर्धारित समय पर आयोग में अवश्य प्रस्तुत कर दें।

महमदपुर गांव में घरों में लाखों की चोरी

प्रयागराज। थरवई प्रयागराज गंगापार के महमदपुर कटियाही गांव में गुरुवार बीती रात्रि को चोरों ने कई घरों में लाखों की चोरी किया जिससे गांव में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक महमदपुर कटियाही गांव के बिहारी लाल पुत्र कल्लू लाल, सुखलाल पुत्र मुनने लाल, राजकुमार पुत्र मुनने लाल के घरों का ताला तोड़कर घर में रखे बक्से अलमारी से लाखों रुपए के गहने और घर का अन्य सामान चोर चुरा ले गए। जाते वक्त चोर घरों में रखे बक्से और अलमारी भी साथ ले गए। और घर के कुछ दूर ले जाकर उसमें रखे कुछ नगद पैसे कपड़े आदि चीजें भी चोर चुरा ले गए। सुबह जब चोरी की जानकारी इन परिवारों को हुई तो होश उड़ गए। गांव में चोरी की घटना से हड़कंप मच गया। गांव में जिन-जिन घरों में चोरी हुई उन लोगों ने चोरी की सूचना थरवई पुलिस को दिया। कुछ ही देर में थरवई पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने मौका मुआयना किया। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बिहारी लाल, सुखलाल, राजकुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की तहरीर थरवई पुलिस को दिया।

भारतीय सेना का विशेष शिक्षा के लिए एक सामाजिक प्रयास

प्रयागराज। भारतीय सेना के रेड ईगल डिवीजन के तत्वावधान में विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए 07 अक्टूबर 1992 से ओल्ड कैंट, तेलियरगंज, प्रयागराज में एक आशा स्कूल संचालित किया जा रहा है। जो पूरी तरह से वातानुकूलित है और इसमें कला प्रशिक्षण की सुविधा है। रक्षा मंत्रालय प्रयागराज के विंग कमांडर शैलेन्द्र पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि इसमें सभी मौसम में इनडोर हाइड्रोथेरेपी काम्प्लेक्स भी शामिल है। पूरी तरह से सुसज्जित फिजियोथेरेपी कक्ष, दो समार्ट क्लास, सेंसोरी पार्क, बेसिक शॉपिंग और मनी हैंडलिंग पर एक प्रायोगिक प्रशिक्षण तथा एक समर्पित दैनिक जीवन के प्रशिक्षण की सुविधा के लिए एक आशा मार्केट भी है। स्कूल में विशेष शिक्षकों, फिजियोथेरेपिस्ट, स्पीच थेरेपिस्ट, मनोवैज्ञानिक और एक संगीत शिक्षक सहित योग्य कर्मचारी हैं। इसमें विशेष रूप से प्रशिक्षित सहायक कर्मचारी भी हैं। इसके अलावा उपलब्ध कराए जा रहे विभिनन्न उपचारों में हाइड्रोथेरेपी, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, अश्वनीय थेरेपी, केनाइन थेरेपी और वोकेशनल तथा सेंसर प्रशिक्षण शामिल है। श्री पाण्डेय ने बताया कि स्कूल में 27 बच्चों की क्षमता है और वर्तमान में 21 बच्चों का नामांकन है। सेवा और सेवानिवृत रक्षाकमिर्यों तथा सिविलियन के विशेष रूप से विकलांग बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिया जाता है। जिसके लिए स्कूल नाममात्र का शुल्क चार्ज करता है। 8 से 18 वर्ष की आयु के लिए विशेष रूप से विकलांग बच्चे, सीएमओ प्रयागराज द्वारा हस्ताक्षरित विकलांग प्रमाण-पत्र के साथ साल में कभी भी प्रवेश लेने के लिए पात्र है। विद्यालय विशेष बच्चों को समग्र शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा में उनके एकीकरण की सुविधा प्रदान कर रहा है। स्कूल प्रबंधन के प्रयासों से छात्रों में गुणात्मक सुधार है।

इफ्को ब्वायलर काण्ड में झुलसे एक और मजदूर की हुई मौत

प्रयागराज। फूलपुर इफ्को ब्वायलर ब्लास्ट हादसे में झुलसे एक कर्मचारी की उपचार के दौरान शुक्रवार दोपहर कीडगंज स्थित एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर कीडगंज थाने की पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। बरेली जनपद के भमौरा थाना क्षेत्र के दलीपपुर गांव निवासी छात्रपाल 40वर्ष पुत्र स्वर्गीय करनलाल के दो पुत्र और एक पुत्री एवं पतनी संगीता के भरण-पोषण करने के लिए फूलपुर इफ्कों में संविदा पर काम करता था। गौरतलब है कि 23 मार्च को हुए ब्वायलर ब्लास्ट हादसे में छात्रपाल घायल हो गया था। उसका उपचार शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार की सुबह मौत हो गई। सूचना पर कीडगंज थाने की पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

पंचायत चुनाव में इस बार शराब और पैसे का रहा बोलबाला

प्रयागराज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रसाशन का शक्ति दिखाना बिल्कुल खोखला साबित हुआ।जमकर प्रत्याशियों ने रात भर अपने गुर्गी को लेकर गली गली धमाल चौकड़ी लगाकर जिस परिवार में ज्यादा वोट थी वहाँ हर तरह से खूब रिझाया।कई घरों में साड़ी तो किसी को पैसा देकर मत बटोरने का भर प्रयास किया।वही शराबियों को खूब मौज रही प्रत्याशी जमकर शराब की ब्यवस्था किये अन्तिम दिन तक मतदाता शराब का सेवन करते रहे।इस बार के चुनाव देखकर ऐसे लगता है कि चाहे जिसकी सीट आए गरीब चुनाव नही लड़ सकता,क्योकि एक फैशन बन गया है कुछ मतदाता तो यहाँ तक पूरी पोलिग जिताने तक ठीका लेकर बैठ जाते है चाहे उनके कहने पर 5 वोट भी न मिले।प्रत्यासी बाहरी ओ क्या जाने इनकी हकीकत बस ठगो के हाथ ठग जाता है।उन्ही के पैसा व आई हुई शराब से अपना प्रचार करने में मस्त रहते है।इनकी हकीकत तब सामने आती है जब प्रत्याशी इनकी पोलिग बॉक्स की गिनती होती है।

चेन्नई सुपर किंग्स दर्ज की अपनी पहली जीत, पंजाब को हराया

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी जीत का खाता खोल लिया है। चेनन्ई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की है। दीपक चाहर के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत चेनन्ई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को आठ विकेट पर 106 रन के स्कोर पर रोक दिया। 2021 के आईपीएल का ये सबसे कम स्कोर रहा। 106 रन के टारगेट बहुत ही आसानी से दो विकेट गवांकर चेनन्ई सुपर किंग्स ने आसानी से जीत लिया। अर्शदीप सिंह ने रुतुराज गायकवाड़ को 5 रन पर आउट कर दिया और चेनन्ई सुपर किंग्स के शानदार बल्लेबाज मोईन अली 46 रन बनाए और शतक से 4 रन दूर कैच आउट हो गये। शॉर्ट बॉल पर सुरेश रैना आउट हुए मोहम्मद शमी ने उन्हें 8 (9 गेंदों) पर आउट किया। मोहम्मद शमी ने हैट्रिक लेने की गुंजाइश में अंबाती रायडू को भी आउट किया। पांचवे नंबर पर सैम करन खेलने आये और सैम करन ड्यूप्लेसी मैदान में डटे रहे और सीएसके को शानदार जीत दिलाई। दीपक चाहर के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत चेनन्ई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में पंजाब किंग्स को आठ विकेट पर 106 रन के स्कोर पर रोक दिया। तमिलनाडु के 'पावर हिटर' एम शाहरूख खान ही पंजाब के एकमात्र बल्लेबाज रहे जो क्रीज पर टिक सके जिन्होंने 36 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। लेकिन वह अंतिम ओवर में सैम करेन की गेंद पर आउट हो गये। दीपक चाहर ने अपने चार में से एक ओवर मेडन फेंका और 13 रन देकर चार विकेट हासिल किये। सैम करेन, मोईन अली और ड्वेन ब्रावो को एक एक विकेट मिला। चेनन्ई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराते हुए पावरप्ले में पंजाब किंग्स के 26 रन पर चार विकेट झटक लिये। इसमें अहम भूमिका चाहर ने निभायी जिन्होंने पहले ही ओवर में मयंक अग्रवाल (शून्य) को खूबसूरत गेंद पर बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद भी उन्होंने दबाव बनाये रखा और अपने चार ओवर के स्पैल में केवल दो चौके ही लगने दिये। फार्म में चल रहे पंजाब के कप्तान के एल राहुल (05) शार्ट कवर पर खड़े रविंद्र जडेजा के शानदार थ्रो से रन आउट हुए जो एक रन चुराने का प्रयास कर रहे थे। जडेजा ने इसके बाद पांचवें ओवर में डाइव करते हुए बेहतरीन कैच लपका और क्रिस गेल की 10 रन की पारी खत्म कर दी जो चाहर का दूसरा विकेट था। निकोलस पूरन दूसरी बार शून्य पर आउट हुए, वहचाहर की शार्ट गेंद को लांग लेग पर शारदुल ठाकुर के हाथों में कैच दे बैठे। दीपक हुड्डा (10) सातवें ओवर में फाफ डुप्लेसिस को आसान कैच देकर आउट हुए और यह चाहर का चौथा विकेट था। अब टीम का स्कोर पांच विकेट पर 26 रन हो गया। शाहरूख खान और जाय रिचर्डसन (15 रन, 22 गेंद, दो चौके) ने छठे विकेट के लिये 31 रन जोड़े। मुरूगन अश्विन (06) ने फिर शाहरूख खान के साथ 30 रन जोड़कर पंजाब को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। धोनी चेनन्ई सुपर किंग्स के लिये अपना 200वां मैच खेल रहे हैं, उन्होंने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

लीवर को नुकसान पहुंचाती हैं आदतें

हमें अक्सर ये लगता है कि लीवर सिर्फ शराब से खराब होता है। इस वजह से हम लीवर को नुकसान पहुंचाने वाली बहुत सी सामान्य आदतों पर ध्यान ही नहीं देते। आइये जानें, वो कौन सी आदतें हैं जो लीवर के लिए खतरनाक हैं। लीवर हमारे शरीर का सबसे मुख्य अंग है, यदि आपका लीवर ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर पा रहा है तो समझिये कि खतरे की घंटी बज चुकी है। लीवर की खराबी के लक्षणों को अनदेखा करना बड़ा ही मुश्किल है और फिर भी हम उसे जाने-अंजाने अनदेखा कर ही देते हैं। लोगों को लगता है कि सिर्फ शराब पीने से ही लीवर खराब होता है। वे लोग जो सोचते हैं कि वे शराब नहीं पीते तो उनका लीवर कभी खराब नहीं हो सकता तो वे बिल्कुल गलत हैं। आइये जानते हैं कौन सी आदतें आपके लीवर के स्वास्थ्य के लिए खतरा होती हैं।

अक्सर शराब पीने की आदत : शराब सबसे अधिक हमारे लीवर की दुश्मन है। शराब के सेवन से पहले लीवर फूलता है, फिर संकुचित होता है। फिर ऐसा घटता है कि कद में छोटा हो जाता है। कार्य करने योग्य नहीं रहता। शराब लीवर के लिए धीमा जहर होता है। अक्सर लंबे वक्त तक अधिक मात्रा में शराब पीने वाले लोगों का लीवर फेल हो जाता है। इसलिए अगर आप शराब पीते हैं तो बहुत कम मात्रा में पियें।

दवाओं का अधिक इस्तेमाल : कुछ निश्चित दवाओं का अधिक इस्तेमाल आपके लीवर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अक्सर लोगों को छोटे मोटे दर्द में बिना डॉक्टर की सलाह लिए पेन किलर खाने की आदत होती है। पेन किलर खतरनाक रूप से लीवर और किडनी को नुकसान पंहुचा सकती है। इसके अलावा, लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए अलग अलग तरह के आकर्षक विज्ञापनों से देखकर दवाएं ले लेते हैं। इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। वहीं पैरासिटामोल भी लीवर के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। डॉक्टरों के मुताबिक पैरासिटामोल की हैवी डोज लिवर को नाकाम कर सकती है। शराब पीने वालों के लिवर को यह दवा दोगुना नुकसान पहुंचाती है।

सिगरेट पीने की लत : सिगरेट की आदत एक ऐसी जानवेला आदत है जो आपके शरीर को हर तरह से नुकसान ही पहुंचाती है। सिगरेट लीवर को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। सिगरेट के धुएं में पाए जाने वाले जहरीले केमिकल्स अंत में आपके लीवर तक पहुंचते हैं और लीवर सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपका लीवर स्वस्थ रहे तो सिगरेट पीने की आदत को छोड़ दें।

ज्यादा प्रोटीन भी है नुकसानदेह : शोध कहते हैं कि अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन बहुत लिहाज से शरीर के लिए नुकसानदेह है। पर्याप्त कार्बोहाइड्रेट के बिना ज्यादा प्रोटीन का सेवन लिवर से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है। इसलिए अच्छा होगा कि मीट और अंडे के साथ सब्जियां और स्टार्च से भरपूर फूड भी लें।

लीवर के लिए खतरा मोटापा : ज्यादा खाने से ज्यादा फैट भी शरीर में जाता है। यह स्टोरिंग सेल से बाहर आकर लीवर में जमा होने लगता है। इससे लीवर डैमेज होने लगता है। लीवर फैटी होने से हार्ट और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अपने आहार और एक्सरसाइज पर ध्यान दें। इन दोनों पर ध्यान न देने की आदत आपका मोटापा बढ़ा सकती है और मोटापा आपके लीवर के लिए नुकसानदायक होगा।

लहसुन की चाय की मदद से ब्लड शुगर को कर सकते हैं कंट्रोल

लहसुन जिसका इस्तेमाल लगभग हर भारतीय किचन में किया जाता है, सदियों से अपने औषधीय गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती रही है। अमूमन घरों में लोग इसे कई तरीके से इस्तेमाल करते है। वैसे अगर किसी व्यक्ति को हाई ब्लड शुगर या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है तो उन्हें अपनी रेग्युलर चाय को लहसुन की चाय से स्विच कर देना चाहिए। लहसुन में एंटी-बैक्टीरियल व एंटी-वायरल गुण होते हैं। इसके अलावा, लहसुन आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है, आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है और आपके चयापचय में सुधार करता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लहसुन की चाय मधुमेह रोगियों के लिए किस प्रकार लाभदायक है-

कम करे अमीनो एसिड होमोसिस्टीनः हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, अगर आप लहसुन की चाय का सेवन करते हैं तो इससे अमीनो एसिड होमोसिस्टीन को नेचुरली कम होता है। यह मधुमेह रोगियों के लिए एक बड़ा जोखिम कारक है। इस प्रकार लहसुन की चाय आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। **बेहतर प्रतिरक्षा तंत्रः** हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार,

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का मजबूत होना आवश्यक है। इस लिहाज से भी लहसुन की चाय आपके लिए लाभदायक है। यह एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक पेय है, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा में सुधार करता है। इसके अलावा, लहसुन में विटामिन सी होता है, जो हमारी प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है और हमारे अंगों को कार्यशील और स्वस्थ रखता है। **लक्षणों को करे कमः** मधुमेह शरीर में सूजन या इंफलेमेशन पैदा कर सकता है, जिसे लहसुन कम करने में मदद कर सकता है। इसलिए मधुमेह होने पर आपको लहसुन की चाय का सेवन अवश्य करना चाहिए। **रक्त शर्करा का स्तर कमः** यह लहसुन की चाय का एक सबसे बड़ा लाभ है। लहसुन के सेवन से टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोगों में रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिलती है। इससे वह अपने ब्लड शुगर लेवल को आसानी से कंट्रोल कर सकते है। **कोलेस्ट्रॉल करे कमः** हेल्थ एक्सपर्ट बताते है कि लहसुन की चाय कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करती है। जिसके कारण यह मधुमेह से जुड़े अन्य स्वास्थ्य जोखिमों को कम करता है। **एक बेहतर विकल्पः** मधुमेह रोगियों को कैफीन युक्त रेग्युलर चाय के सेवन से बचना चाहिए। लहसुन की चाय सामान्य चाय का एक स्वस्थ विकल्प है।

नहीं तो हो जाएंगी हड्डियां कमजोर

अमेरिकी या ब्रिटिश लोगों की तुलना में भारतीय लोगों की हड्डियां पारंपरिक रूप से कमजोर और विकृत होती हैं और भारतीयों में ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी विकार) होने का खतरा अधिक रहता है भारत में घुटनों की सर्जरी का स्वरूप अमेरिका की सर्जरी से बिल्कुल अलग है। भारतीय उपमहाद्वीप में लोगों के घुटने की हड्डियां कमजोर होती हैं। अमेरिकी लोगों में ऐसा देखने को नहीं मिलता वहां पर लोगों के घुटने की हड्डी का आकार भी यहां के लोगों की तुलना में बड़ा होता है। इसका एक कारण यह है कि भारत में लोग घुटने के दर्द या बीमारी को नजरअंदाज करते हैं और बिल्कुल अंत समय में सर्जरी का विकल्प चुनते हैं। कमजोर हड्डियों का दूसरा बड़ा कारण नियमित व्यायाम की कमी है। भारतीय लोग शारीरिक गतिविधियों को नजरअंदाज करते हैं जिससे हड्डियां कमजोर होती हैं और बाद में तकलीफ बढ़ती है।

प्लास्टिक कचरे से गहराता संकट

प्लास्टिक ज़िन्दगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। अमूमन हर चीज़ के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है, वो चाहे दूध हो, तेल, घी, आटा, चावल, दालें, मसालें, कोल्ड ड्रिंक, शर्बत, सनैक्स, दवायें, कपड़े हों या फिर ज़रूरत की दूसरी चीज़ें सभी में प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है। बाज़ार से फल या सब्ज़ियां ख़रीदो, तो वे भी प्लास्टिक की ही थैलियों में ही मिलते हैं। प्लास्टिक के इस्तेमाल की एक बड़ी वजह यह भी है कि टिन के डिब्बों, कपड़े के थैलों और काग़ज़ के लिफ़ाफ़ों के मुक़ाबले ये सस्ता पड़ता है। पहले कभी लोग राशन, फल या तरकारी ख़रीदने जाते थे, तो प्लास्टिक की टोकरियां या कपड़े के थैले लेकर जाते थे। अब ख़ाली हाथ जाते हैं, पता है कि प्लास्टिक की थैलियों में सामान मिल जाएगा। अब तो पत्तल और दोनो की तर्ज़ पर प्लास्टिक की प्लेट, गिलास और कप भी ख़ूब चलन में हैं। लोग इन्हें इस्तेमाल करते हैं और फिर कूड़े में फेंक देते हैं। लेकिन इस आसानी ने कितनी बड़ी मुश्किल पैदा कर दी है, इसका अंदाज़ा अभी जनमानस को नहीं है। दरअसल, प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक़ देश में सबसे ज़्यादा प्लास्टिक कचरा बोतलों से आता है। साल 2015-16 में करीब 900 किलो टन प्लास्टिक बोतल का उत्पादन हुआ था। राजधानी दिल्ली में अन्य महानगरों के मुक़ाबले सबसे ज़्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। साल 2015 के आंकड़ों की मानें, तो दिल्ली में 689.52 टन, चेन्नई में 429.39 टन, मुंबई में 408.27 टन, बेंगलुरु में 313.87 टन और हैदराबाद में 199.33 टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। सिर्फ़ दस फ़ीसद प्लास्टिक कचरा ही रि-साइकिल किया जाता है, बाक़ी का 90 फ़ीसद कचरा पर्यावरण के लिए नुक़सानदेह साबित होता है। रि-साइक्लिंग की प्रक्रिया भी प्रदूषण को बढ़ाती है। रि-साइकिल किए गए या रंगीन प्लास्टिक थैलों में ऐसे रसायन होते हैं, जो ज़मीन में पहुंच जाते हैं और इससे मिट्टी और भूगर्भीय जल विषैला बन सकता है। जिन उद्योगों में पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर तकनीक वाली रि-साइकिलिंग इकाइयां नहीं लगी होतीं। उनमें रि-साइक्लिंग के दौरान पैदा होने वाले विषैले धुएं से वायु प्रदूषण फैलता है। प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है, जो सहज रूप से मिट्टी में घुल-मिल नहीं सकता। इसे अगर मिट्टी में छोड़ दिया जाए, तो भूगर्भीय जल की रिचार्जिंग को रोक सकता है। इसके अलावा प्लास्टिक उत्पादों के गुणों के सुधार के लिए और उनको मिट्टी से घुलनशील बनाने के इरादे से जो रासायनिक पदार्थ और रंग आदि उनमें आमतौर पर मिलाए जाते हैं, वे भी अमूमन सेहत पर बुरा असर डालते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि प्लास्टिक मूल रूप से नुकसानदेह नहीं होता, लेकिन प्लास्टिक के थैले अनेक हानिकारक रंगों, रंजक और अन्य तमाम प्रकार के अकार्बनिक रसायनों को मिलाकर बनाए जाते हैं। रंग और रंजक एक प्रकार के औद्योगिक उत्पाद होते हैं, जिनका इस्तेमाल प्लास्टिक थैलों को चमकीला रंग देने के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ रसायन कैंसर को जन्म दे सकते हैं और कुछ खाद्य पदार्थों को विषैला बनाने में सक्षम होते हैं। रंजक पदार्थों में कैडमियम जैसी जो धातुएं होती हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदेह हैं। लम्बे समय तक जस्ता के इस्तेमाल से मस्तिष्क के ऊतकों का क्षरण होने लगता है। हालांकि पर्यावरण और वन मंत्रालय ने रि-साइक्लिंड प्लास्टिक मैन्यूफैक्चर एंड यूसेज़ रूल्स-1999 जारी किया था।

पान का पत्ता वजन घटाने में मददगार

वजन घटाने और स्लिम दिखने की चाहत रखते हैं तो पान के पत्तों से बना यह नुस्खा मददगार है। आयुर्वेद में पान के पत्तों को वजन घटाने के लिहाज से फायदेमंद माना गया है। इतना ही नहीं, इसका प्रभाव आठ हफ्तों में ही नजर आने लगता है। पान के पत्तों में मौजूद तत्व पाचन ठीक करते हैं, मेटाबॉलिज्म सही रखते हैं और एसिडिटी जैसी समस्याओं से दूर रखने में मदद करते हैं। इसके सेवन से फैटस अधिक बर्न होता है जिससे वजन घटाना आसान हो जाता है। आयुर्वेद में पान के पत्तों को शरीर से विषाक्त पदार्थ हटाने में मददगार माना गया है जो वजन को नियंत्रित रखने के लिए जरूरी है। **कैसे करें इसका सेवन? :** पान का एक हरा पत्ता लें और इसमें पांच काली मिर्च के दाने रखकर बांध लें। इसे देर तक मुंह में रखें (जिस तरह सामान्य पान रखते हैं)। मुंह में बनने वाली लार को पेट में जाने दें। आठ हफ्तों तक रोज सुबह उठकर काली मिर्च युक्त पान का सेवन करें। आयुर्वेद में इस विधि से पाचन ठीक रखने और टॉक्सिन दूर भगाने की बात कही गई है। ध्यान रखें कि इस विधि से केवल पान के हरे पत्ते ही खाएं क्योंकि इनमें ही ये चिकित्सकीय गुण होते हैं। अगर आप पीले या पुराने हो चुके पान के पत्तों का सेवन इस तरह करेंगे तो पेट से जुड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, पान के पत्तों का काली मिर्च के साथ रोज सेवन करने पर आठ हफ्तों के बाद आपको अपने वजन में बदलाव महसूस होगा। **पेट की चर्बी से छुटकारा :** पेट की चर्बी से छुटकारा चाहते हैं तो इन घरेलू उपायों की मदद से आप आराम से चर्बी घटा सकते हैं। सुबह खाली पेट एक ग्लास गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़कर पिएं। इसमें शहद मिलाकर पीने से फायदा अधिक मिलेगा। इससे मेटाबॉलिजम तेज होता है और फैटस जल्दी बर्न होते हैं। अदरक को दो टुकड़ों में काट लें और एक कप पानी में उबालें। 10 मिनट तक पकाने के बाद अदरक के टुकड़े हटा लें और इसे चाय की तरह पिएं। लहसुन में मोटापा कम करने वाले तत्व हैं। एक कप पानी में नींबू निचोड़ें। अब लहसुन के तीन जवों इस पानी के साथ लें। रोज सुबह खाली पेट इनका सेवन फायदेमंद है। बादाम में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड चर्बी कम करने में मददगार है। रोज रात में 6-8 बादाम भिगोएं और अगले दिन सुबह इन्हें छीलकर खाएं। भोजन करने के आधे घंटे पहले एक या दो चम्मच एप्पल साइडर वेनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर पिएं। इससे कैलोरी अधिक बर्न होती हैं। पुदीने के पत्ते और धनिया पत्ता को साथ में पीस लें। इसमें नमक और नींबू मिलाकर चटनी तैयार करें और रोज भोजन के साथ इसे लें। पुदीने के सेवन से मेटाबॉलिक रेट बढ़ती है जिससे फैटस जल्दी बर्न होते हैं। एलोवेरा का सेवन मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है और फैटस स्टोर नहीं होने देता। दो चम्मच एलोवेरा के जूस में एक चम्मच जीरा पाउडर मिलाएं और इसे आधे ग्लास गुनगुने पानी में मिलाएं। खाली पेट इसका सेवन करें और 60 मिनट बाद ही कुछ खाएं। इस उनपायों के साथ-साथ रुटीन में कसरत को जगह देना न भूलें। करीब 10 से 15 गुलाब की पंखुडियां साफ कर लें। इन्हें एक ग्लास पानी में डालकर उबालें। तब तक उबालें जब तक पानी का रंग भूरा और गुलाबी न लगने लगे।

मखाना सेहत की कई परेशानियां करें दूर

सर्दियों के मौसम में ड्राई फ्रूट खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इससे शरीर में गर्माहट बनी रहती है। सफेद रंग के मखानों का इस्तेमाल खाने के साथ-साथ हवन और पूजा में भी किया जाता है लेकिन यह सेहत के लिए भी बहुत अच्छे होते है। मखाने कमल के बीजों से बनते है और खाने में भी टेस्टी होते हैं। इनको नमकीन,मीठाई,खीर और सब्जियों में डालकर भी खाया जाता है। यह किडनी और दिल के लिए फायदेमंद है। आइए जानते हैं इसके और भी लाभ।

अनिद्रा से छुटकाराः रात को सोने से पहले दूध के साथ मखाने खाने से नींद अच्छी आती है। इससे तनाव भी कम होता है। तनाव कम होने से बहुत-सी बीमारियों से बचाव रहता है।

शारीरिक कमजोरी दूरः आजकल एक तरफ जहां लोग मोटापे से परेशान हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी है जो जरूरत से ज्यादा पतले-दुबले होने से भी टैंशन में हैं। मखाने में मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फिट रखने में मदद करता है। **भूख कम लगनाः** लंबे समय तक घर से बाहर रहने वाले लोगों के लिए मखाने बहुत ही लाभकारी हैं क्योंकि इसको खाने के बाद घंटो तक भूख नहीं लगती। इसमें कैलोरी, वसा और सोडियम कि मात्रा कम होने से इसे किसी भी समय पर खाया जा सकता है। **ब्लड- प्रैशर कंट्रोलः** आजकल बहुत से लोगों को ब्लड- प्रैशर की समस्या है। इस परेशानी में मखाने रामबाण का काम करते हैं क्योंकि इसमें सोडियम कम लेकिन पोटेशियम और मैगनेशियम अच्छी मात्रा में होता है। **हड्डियों के लिए फायदेमंदः** कैल्शियम से भरपूर मखाने हड्डियों के लिए बहुत अच्छे हैं। आजकल बोन कैंसर की बीमारी बहुत ज्यादा हो रही है और औरतों में 30 साल की उम्र के बाद हड्डियों का कमजोर होना आम बात हो गई है। मखाने खाने से हम इन बीमारियों से बचा जा सकता है। **बनाएं रखे जवांः** मखाना एंटी-एजिंग के साथ एंटी-आक्सीडेंट से भी भरपूर होता है यह आपको बूढ़े नहीं होने देता। झुर्रियां और बालों का सफेद होना भी मखाने से कम हो जाते हैं। **प्रैग्रेंसी में लाभकारीः** प्रैगनेंन्सी के बाद औरतों को बहुत कमजोरी महसूस होती है। डिलीवरी के बाद आई कमजोरी को दूर करने के लिए दूध के साथ मखाने खाएं।

दो मैच हारने के बाद मुंबई के खिलाफ कमर कस के मैदान में उतरेंगे सनराइजर्स

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमयर लीग में मुंबई इंडियन्स की मजबूत टीम के खिलाफ सही संयोजन के साथ उतरने प्रयास करेगी जिससे कि लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज करके अंकों का खाता खोल सके। डेविड वार्नर की अगुआई वाली सनराइजर्स की टीम को चेनन्ई की पिच रास नहीं आ रही है और टीम 150 रन से भी कम के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही है। पहले दो मैचों में टीम को लक्ष्य का पीछा करने में परेशानी का सामना करना पड़ा है जिससे अंतिम एकादश में गहराई की कमी और मजबूत वैकल्पिक भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धता नहीं होना जैसी कमजोरियां उजागर हुई।

कप्तान वार्नर के अंतिम एकादश के चयन पर भी सवाल उठ रहे है। जॉनी बेयरस्टा और रिद्धिमान साहा के रूप में दो विकेटकीपर को अंतिम एकादश में जगह देने से कोई मकसद पूरा नहीं हो पा रहा है। साहा सलामी बल्लेबाज के रूप में बिलकुल भी लय में नजर नहीं आए। साहा 2008 में पहले टूर्नामेंट से आईपीएल का हिस्सा है लेकिन उनके रिकॉर्ड को करीब से देखें तो पता चलता है कि वह निरंतर रन बनाने में नाकाम रहे है। डग आउट में केदार जाधव जैसे अनुभवी खिलाड़ी और प्रियम गर्ग तथा अभिषेक शर्मा के रूप में दो प्रतिभावान खिलाड़ियों की मौजूदगी से साहा को इस प्रदर्शन के साथ टीम में अधिक मौके मिलने की उम्मीद नहीं है। केदार और अभिषेक के साथ अगर टीम उतरती है तो उसेस्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी मिलेगा।

विदेशी खिलाड़ियों में अंतिम एकादश में सिर्फ वार्नर और राशिद खान का चयन तय है और ऐसे में सनराइजर्स को पूरी तरह से फिट केन विलियमसन की जरूरत है क्योंकि स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ वह अच्छे बल्लेबाज है। मनीष पांडे और अब्दुल समद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बायें हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद के खिलाफ जैसे शॉट खेले उससे वार्नर निराश होंगे। पांडे को भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची से बाहर कर दिया और फिनिशर की भूमिका सही तरह से नहीं निभा पाने के कारण संभवतः उन्हें जल्दी ही दोबारा टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिले। आईपीएल के जरिए हालांकि पांडे के पास अपना दावा मजबूत करने का मौका है। वह उन पांच खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने सबसे कम स्ट्राइक रेट के साथ 3000 आईपीएल रन पूरे किए है। टीम की गेंदबाजी भी चिंता का सबब है। टी नटराजन पिछले सत्र जैसी फॉर्म में नहीं है जबकि भुवनेश्वर कुमार भी महंगे साबित हुए है। रोहित शर्मा, क्विंटन डिकॉक, सूर्यकुमार यादव और इशान किशन जैसे मुंबई इंडियन्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को देखते हुए संदीप शर्मा और सिद्धार्थ कौल जैसे हैदराबाद की टीम के वैकल्पिक तेज गेंदबाज भी अधिक प्रभावी नजर नहीं आते। इस बात की संभावना कम है कि मुंबई की टीम अपनी अंतिम एकादश में बदलाव करेगी, विशेषकर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ। मुंबई इंडियन्स को हालांकि अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीमें इस प्रकार हैः मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, अनमोलप्रीत सिंह, क्रिस लिन, सौरभ तिवारी, धवल कुलकर्णी, जसप्रीत बुमराह, राहुल चाहर, ट्रेंट बोल्ट, मोहसिन खान, हार्दिक पंड्या, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, अनुकुल रॉय, इशान किशन, क्विंटन डिकॉक, आदित्य तारे, एडम मिल्ने, नाथन कूल्टर नाइल, पीयूष चावला, जेम्स नीशाम, युद्धवीर चरक, माकी जेनसन और अर्जुन तेंदुलकर। सनराइजर्स हैदराबादः डेविड वार्नर (कप्तान), केन विलियमसन, विराट सिंह, मनीष पांडे, प्रियम गर्ग, रिद्धिमान साहा, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय, श्रीवत्स गोस्वामी, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, केदार जाधव, जे सुचित, जेसन होल्डर, अभिषेक शर्मी, अब्दुल समद, भुवनेश्वर कुमार, राशिद खान, टी नटराजन, संदीप शर्मा, खलील अहमद, सिद्धार्थ कौल, बासिल थम्पी, शाहबाज नदीम और मुजीब उर रहमान। समयः मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

राशिफल

मेष-: राहु मंगल का विस्फोट योग दोपहर तक, वाणी में संयम बनाये रखे। उदर विकार, थकान बना रहेगा। संक्रमण से बचाव रखे। बेल सरबत पिये।

वृष-: रक्त विकार, अपव्यय, मानसिक पीड़ा, धन आगमन का योग। मारकेश मंगल वाणी पर विष योग बना रहा है। सोच समझकर बोले। तक्र (छाछ) का प्रयोग करे।

मिथुन-: त्वचा विकार, मंगल धन प्राप्ति कराएगा। गृहस्थी जीवन मे परेशानी,नशो में पीड़ा। छाया तेल दान करे।

कर्क-: कार्य क्षेत्र से संबंधित नए समीकरण बनेगे। शश महा पंच पुरुष योग द्वारा पारिवारिक समस्या खत्म होगी। अचल संपत्ति प्राप्ति का योग। केला दान करे। देवी उपासना करें।

सिंह-: केंद्र में गुरु के गोचर से पुत्र संबधित कार्य बनेगे। मानसिक तनाव में कमी होगी। रक्त चाप बढ़ेगा। संक्रमण कारण उदर विकर बढेगा। दही का सेवन करे।

कन्या-: परिवारिक तनाव बढेगा। संतान सम्बन्धित शुभ सूचना प्राप्त होगी। सावधानी पूर्वक वाहन चलाये।गनन्का रस पिये।

तुला-: त्रिग्रही योग (सूर्य,बुध,शुक्र) द्वारा जीवन साथी संबधित कुछ तनाव का योग। शनि अनुकूल होने से धन लाभ, कार्य मे तेजी। बडा स्थान भूमि, वाहन प्राप्ति योग। पीपल जड़ पर रोज शाम दीपक जलाएं।

वृश्चिक-: गले मे संक्रमण योग, वाहन दुर्घटना योग।भाई बहन से किसी विषय पर तनाव। सम्पति विवाद। अगिन से बचाव करे। चावल दान करे।

धनु-: पारिवारिक सम्पति विवाद दूर होगा। जीवन साथी को अहमियत दें। गायत्री मंत्र जप कल्याण कारी होगा।सम्मान यश धन प्राप्ति योग।

मकर-: नकरात्मक विचार त्यागे। अनार फल मा दुर्गा को अर्पण करें। शश योग कारण संपत्ति लाभ योग। दूर कहीं यात्रा का योग। हनुमान चालीसा नित्य पढ़े।

कुंभ-: शनि साढ़े साती कारण कार्य बिलम्ब से होंगे। पीठ हड्डियों में दर्द, गले मे संक्रमण का योग। कपूर पास में अवश्य रखे। प्राणायाम नियमित करे।

मीन-: दंत विकार, दाहिने नेत्रो में चोट या संक्रमण का योग। बिलम्ब से धन लाभ। मित्र व भाई से विवाद होने का योग। पीपल की जड़ पर शाम को दीपक जलाएं।

17 अप्रैल 2021 का पञ्चाङ्ग

शनिवार, चैत्र शुक्ल पंचमी शाम 08/34 तक।मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 2/33 तक। शोभन योग शाम 07/17 तक। चन्द्रमा वृषभ राशि मे दोपहर 01/09 तक तत्पश्चात मिथुन राशि में चंद्रमा गोचर करेगा। लखनऊ में राहु काल प्रातः 08/53 से 10/29 तक। पूर्व दिशा शूल।आज चंद्र बल निम्न राशियों में रहेगा- वृषभ,कर्क,सिंह,वृश्चिक धनु और मीन राशि।

सम्पादकीय

मौसम के बदले तेवर

मौसम की गर्मी ने इस साल अभी से अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग ने शनिवार तीन अप्रैल को लू चलने की चेतावनी दी है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश सहित दस राज्यों में अलर्ट जारी की गई है। इससे पहले मार्च महीने का औसत अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से साढ़े तीन डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसे पिछले 11 सालों में सबसे गर्म मार्च बताया गया है। होली के दिन तो पारे ने 76 साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी दिल्ली में उस दिन अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो उसे 31 मार्च 1945 के बाद से दिल्ली में मार्च का सबसे गर्म दिन बनाता है। बहरहाल, यह तो शुरुआत है। इस समय आम तौर पर देश में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है जबकि राजस्थान के कई इलाकों में पारा 40 पार कर चुका है और मौसम विभाग लू के थपेड़ों को लेकर आगाह कर रहा है। तकनीकी शब्दावली में, तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री बढ़ जाए तो उसे हीटवेव या लू कहा जाता है और सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाए तो वह सीवियर हीटवेव की स्थिति मानी जाती है। तापमान में अचानक आने वाली यह बढ़ोतरी काफी हानिकारक होती है। इससे मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। कोरोना महामारी ने पिछले करीब साल भर से न केवल आम लोगों को बल्कि हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र को असाधारण तनाव में रखा है। ऐसे में मौसमी उतार-चढ़ाव से उपजी सामान्य बीमारियां भी एक हद से ज्यादा बढ़ीं तो यह देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है। तापमान में बढ़ोतरी का यह ट्रेंड नया नहीं है। 2020 भी पिछले 119 बरसों में आठवां सबसे गर्म साल था। बाढ़, भारी बारिश, बिजली गिरने, कोल्ड वेव और हीट वेव जैसी एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स के लिहाज से कौन-सा देश कितने जोखिम में है, इसका पता क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स से चलता है। इस इंडेक्स में भारत 20वें नंबर यानी अधिक जोखिम वाले वर्ग में है। ऐसे मौसम के कारण देश को सालाना 70 हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान भी होता है। भारत के विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने हाल ही में कहा था कि हाल के दशकों में दुनिया भर में एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स बढ़ी हैं और आने वाले समय में और बढ़ेंगी। यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है। इसी कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है और यही मौसम में इतने भारी-उतार चढ़ाव की वजह बन रहा है। जलवायु परिवर्तन को रोकने की पेरिस समझौते जैसी पहल में भारत अगुवा देश है। सौर और पवन ऊर्जा की क्षमता बढ़ाकर भारत इसके लिए अपनी ग्रीन इकॉनमी का भी विस्तार कर रहा है। लेकिन यह लड़ाई जितनी बड़ी है, उसे देखते हुए हमें ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी लानी होगी। यह हमारे कल के लिए जितना जरूरी है, उतना ही आज के लिए।

साक्षात्कारः प्रकाश करात ने कहा- बंगाल की जनता को भाजपा के सच का जल्द पता चल जायेगा

एक जमाना था जब वामपंथी पार्टियों का बोलबाला था। विशेषकर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल व आसपास के कुछ राज्यों में। इन पार्टियों ने बंगाल में सत्तासीन होने का रिकॉर्ड भी बनाया है। स्थानीय राजनीति में दशकों अपनी बादशाहत कायम रखी। लेकिन विगत कुछ वर्षों से उनका सियासी दुर्ग पूरी तरह से ध्वस्त हुआ। इस वक्त पश्चिम बंगाल में चुनाव हो रहे हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी न के बराबर दिखती है। ऐसा लगता है जैसे वाम पाटिर्यां राजनीतिक लाइन से हट चुकी हैं। ऐसी स्थिति क्यों आई, इसको जानने के लिए पत्रकार डॉ. रमेश ठाकुर ने भारतीय वामपंथ राजनीति के महत्वपूर्ण नेता प्रकाश करात से बातचीत की। पेश हैं वार्ता के मुख्य अंश-

प्रश्न-वाम पार्टियों का गढ़ कहे जाने वाले वाले राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव हो रहा है लेकिन आपकी सक्रियता नदारद है?

उत्तर- देखिए, प्रत्येक छोटी-बड़ी सियासी पार्टी में उतार-चढ़ाव आता है। कांग्रेस के साथ भी हुआ और भाजपा के साथ भी। रही बात चुनाव में सक्रियता की तो हम मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहे है। हां, ये जरूर है कि हम बिना वजह का हंगामा खड़ा नहीं कर रहे। नौटंकी करना हमारी प्रवृति में कभी रहा ही नहीं। साफ-सुथरी राजनीति में हम विश्वास करते है। हार-जीत तो लगी रहती है। मुझे लगता है राजनीति का मकसद समाज सेवा होना चाहिए, लेकिन अब उसका तरीका बदल गया है। नेता अब अपने निज स्वार्थ सेवा के लिए राजनीति करने का नाटक करते है।

प्रश्न-साढ़े तीन दशक सत्ता में आपकी हुकूमत रहीं, बेदखल होने की क्या वजहें रहीं?

उत्तर-जितना काम हमारे कार्यकाल में हुआ, उतना टीएमसी दस वर्षों में नहीं कर पाई। आगे भी उम्मीद नहीं दिखाई पड़ती। बंगाल की जनता को इस वक्त भाजपा भी मुंगेरी लाल के सपने दिखा रही है। पूरा देश उनके वायदों की हकीकत पहले ही जान चुका है। अब मूर्ख बनाने के लिए उनकी टोली बंगाल में पहुंची है। वहां भी जल्दी एक्सपोज होंगे। भाजपाई वहां सिर्फ दो मई तक दिखाई देंगे, उसके बाद उनकी टोली वहां से बैरंग लौटती दिखेगी। किसानों से भी उन्होंने झोली भर भर के वादे किए थे, क्या हुआ उनका? आज देश का अनन्दाता सड़कों पर पड़ा है। बीते चार माह से किसान दिल्ली में आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी

समस्याओं को सुनने की बजाय उनका उपहास उड़ा रही है। उन्हें आतंकवादी, पाकिस्तानी, खालिस्तानी पता नहीं क्या-क्या बोल रही है।

प्रश्न-बंगाल में भाजपा का आप क्या भविष्य देखते हैं?

उत्तर-'निल बटे सननटे' से ज्यादा और कुछ नहीं? बंगाल की जनता सब कुछ देख रही है और समझ रही है। मतदाताओं में भय का माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा का संदेश साफ है अगर जनता उनके पक्ष में वोट नहीं करेगी, तो उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाएगा। पिछले चुनाव में हमारे वोट प्रतिशत को उठाके देख लो, ज्यादा अंतर नहीं दिखाई देगा। अगर बंगाल की जनता भाजपा के झांसे में आ भी जाती है तो उन्हें बहुत जल्द समझ में जा जाएगा कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती की है।

प्रश्न-2024 की बात करें तो भाजपा से लड़ने की आपकी क्या रहेगी रणनीति?

उत्तर-अगले आम चुनाव तक भाजपा खुद अपने कर्मों से निपट जाएगी। भाजपा ने पूरे हिंदुस्तान में अजीब माहौल बना दिया है। पूरा देश जुमले सुनने में मस्त है। लेकिन अब नींद टूट चुकी है। 2024 में भाजपा का सफाया होना निश्चित है। देश गुमराह और हाईजैक हो चुका है। उसे रास्ते पर लाने की हमारी रणनीति अंतिम दिशा में है। देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट है, रोजगार खत्म हो गए है, कामधंधे बंद हैं। भाजपा से लड़ने की रणनीति पर हम विमर्श कर रहे हैं। इसको लेकर सीपीआइ (एम) का एक बड़ा सम्मेलन बीते दिनों कोलकाता में आयोजित हुआ था जिसमें सभी बड़े नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में आगे की रणनीति को लेकर विचार-विर्मश हुआ।

प्रश्न-वाम पाटिर्यों के सियासी वजूद पर मंडराते संकट को कैसे दूर करेंगे?

उत्तर- देखिए, बदलाव प्रकृति का नियम है। मौजूदा स्थिति को हम बदलाव के रूप में देख रहे हैं। राजनीति में बदलाव की संभावनाएं हमेशा रहती हैं। कोलकाता के सम्मेलन में पोलित ब्यूरो के कुछ सदस्यों ने वाम राजनीति लाइन में बदलाव करने का प्रस्ताव रखा था जो विचारणीय है। ऐसे में हम अपनी राजनीतिक लाइन पर पुनर्विचार कर रहे हैं। लेकिन हम झूठ बोलकर लोगों को गुमराह नहीं करेंगे। गंदी राजनीति से हमने हमेशा से परहेज किया है। तथ्यात्मक चीजों को लेकर ही हम आगे बढ़ेंगे। झूठ-फरेब का जिम्मा जिस पार्टी के पास है उसकी पोल पट्टी खुल चुकी है।

प्रश्न-बंगाल में अगली सरकार के लिए माकपा की क्या होगी भूमिका?

उत्तर- ये तय है, भाजपा सरकार नहीं बना पाएगी। वैसे, स्थिति तो सभी सियासी दलों के लिए चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से वाम पाटिर्यों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। बंगाल में दूसरी पाटिर्यों के मुकाबले माकपा आज भी लोकप्रिय पार्टी है। लोग हमें पसंद करते हैं। हम मुस्तैदी के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। देखना दो मई को जब परिणाम सामने आएंगे, तो चौंकाने वाले होंगे। राज्य के किसान परेशान हैं, उद्योग-धंधे बंदी के कगार पर पहुंच गए हैं। बेरोजगार लोग सड़कों पर धक्के खा रहे हैं। इन सभी से निजात हम भी दिलवाएंगे।

कांग्रेस में लौटना चाहते थे जगजीवन बाबू

1980 में लोकसभा का चुनाव हुआ। बाबू जगजीवन राम पार्टी के नेता थे। जनता पार्टी के टूटने से लोगों का उससे मोहभंग हुआ और इंदिरा गांधी की वापसी निश्चित थी। बाबू जगजीवन राम को नेता बनाने के मोरारजी भाई खिलाफ थे। मैं भी उनके नाम से सहमत नहीं था। चुनाव के ठीक पहले वह स्व. दिनेश सिंह की मध्यस्थता में इंदिरा जी से बात चला रहे थे। उस समय मैंने उनका विरोध किया, लेकिन पार्टी में जो समाजवादी मित्र थे, उन्होंने जयप्रकाश जी से एक पत्र मेरे नाम लिखवाया, जिसकी अत्यंत दुखद कहानी है। मैंने जयप्रकाश जी को आश्वस्त किया कि उनके आदेश का पालन होगा। मैंने उस विवाद को आगे बढ़ाना उचित नहीं समझा। ब्रह्मानंद जी जयप्रकाश जी से बात करके आए थे और इस प्रसंग पर पत्र-प्रतिनिधियों से बात करने का उन्होंने निश्चय किया था, पर मैंने उस अप्रिय प्रसंग को तूल न देने का निणर्य किया। मोरारजी भाई ने मुझसे केवल इतना कहा कि मैं जगजीवन राम का नाम प्रस्तावित न करूं और मैंने उनकी बात मान ली। मोरारजी भाई की महानता उस समय सामने आई, जब रूठे जगजीवन राम को मनाने वह स्वयं उनके घर गए। उसके लिए मुझे जगजीवन राम जी के इच्छानुसार सुरेश के साथ जय गुरुदेव के सम्मेलन में मथुरा जाना पड़ा। बाबू जगजीवन राम चुनाव के दौरान बलिया आए। वहां की सभा में उन्होंने जनता पार्टी के लिए वोट मांगा। मैं वहीं से पार्टी का उम्मीदवार था। सार्वजनिक सभा में उन्होंने मेरा नाम नहीं लिया। स्वतंत्रता सेनानी विश्वनाथ चौबे मेरे चुनाव प्रतिनिधि थे। उन्होंने सभा में ही जगजीवन राम का भाषण समाप्त होने पर इस ओर उनका ध्यान दिलाया। कुछ हिचक के बाद वह फिर उठे और उन्होंने कहा, 'चंद्रशेखर जी पार्टी के उम्मीदवार हैं। पहले वह हमारे विरुद्ध थे, अब हमारे पक्ष में हो गए हैं।' यह बात मैंने चुनाव के बाद पार्टी संसदीय बोर्ड में जगजीवन राम जी के सामने कही तो वह बहुत झेंपे।

कोई अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं थाः पार्टी में एक बार फिर विघटन हुआ। जनसंघ घटक के ज्यादातर लोग नई पार्टी में चले गए। भारतीय जनता पार्टी बनी, बहुत थोड़े-से लोग पार्टी में रह गए। उसके बाद बंबई में सम्मेलन हुआ। मैंने मोरारजी भाई से अनुरोध किया कि वह सम्मेलन में चलें पर उन्होंने मेरा अनुरोध अस्वीकार कर दिया और मुझे भी सलाह दी कि मैं उस सम्मेलन में न जाऊं। मेरे लिए ऐसा करना संभव नहीं था। मैं सम्मेलन में सम्मिलित हुआ। वहां बाबू भाई पटेल सहित गुजरात के सभी प्रमुख साथी थे। कोई पार्टी अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं था। लोगों की दृष्टि में पार्टी समाप्त हो चुकी थी। ऐसी स्थिति में मैं पुनः पार्टी का अध्यक्ष बना। अपनी मनःस्थिति के बारे में मैंने कभी किसी से जिक्र नहीं किया। बिखरे हुए लोगों को फिर से संगठित करने का प्रयास प्रारंभ हुआ। धीरे-धीरे लोग फिर जुटने लगे। लोगों को आभास होने लगा कि पार्टी समाप्त नहीं हुई है। 1980 के अंत में हम लोगों ने पार्टी का एक अखिल भारतीय सम्मेलन करने का निणर्य लिया। उस समय लोगों को यह एक दुस्साहसिक निणर्य लगा। सम्मेलन के लिए लखनऊ को चुना गया। आशा थी कि स्व. चंद्रभानु गुप्त की संस्था मोतीलाल नेहरू संस्थान में सम्मेलन करने की अनुमति मिल जाएगी। गुप्त जी के देहावसान के बाद कैलाश प्रकाश जी उस संस्था के अध्यक्ष बन गए थे। उन्होंने अनुमति अस्वीकार कर दी। उनकी अपनी विवशता थी। इंदिरा जी पुनः सत्ता में आ गई थी। उनका रुख फिर ऐसा था कि लोग उनकी इच्छा के विरुद्ध कुछ भी करने का साहस नहीं कर सकते थे। यद्यपि मैंने कभी यह अनुभव नहीं किया कि वह किसी भी काम में राजनीतिक विभेद के कारण कठिनाई पैदा करेंगी। हम लोगों के कई मित्रों ने कैलाश प्रकाश जी से अनुरोध किया, पर वह अपनी बात पर अड़े रहे। बरेली के राममूर्ति जी उस समय उत्तर प्रदेश पार्टी के अध्यक्ष थे। वह भी उन्हें नहीं समझा सके। इस स्थिति में मैंने कैलाश प्रकाश जी से अनुरोध करना उचित नहीं समझा।

ओमप्रकाश श्रीवास्तव और कुछ अन्य लोगों से सलाह-मशवरा करने के बाद हमने निणर्य किया कि सम्मेलन सारनाथ में किया जाए। यह निणर्य इस विश्वास के साथ किया गया था कि वहां एक अच्छी धर्मशाला है, जहां सम्मेलन के लिए जरूरी इंतजाम करने में सुविधा होगी। मैंने ओमप्रकाश जी को सारनाथ जाकर स्थान देखने के लिए कहा और स्वयं पार्टी के कार्यक्रम में पटियाला चला गया। वहीं ओमप्रकाश जी ने सूचना दी कि वह धर्मशाला उपलब्ध नहीं है क्योंकि उसमें तिब्बत के शरणार्थी ठहरे हुए हैं। कोई और दूसरी ऐसी जगह नहीं है।

25 हजार के भरोसे हुआ सम्मेलनः मैंने तुरंत निणर्य लिया कि अब फिर से स्थान बदलने की बात चली तो सारा कार्यक्रम ही एक उपहास की बात बनकर रह जाएगा। सम्मेलन अब सारनाथ में ही होगा, चाहे जो भी कठिनाई आए। उस समय यह निणर्य लेना आसान नहीं था, पर न जाने क्यों जब कोई चुनौती सामने आती है तो उससे निपटने के लिए हर स्थिति से जूझते हुए निणर्य लेना मेरे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। ओमप्रकाश ने मुझसे कहा कि कुछ पैसे चाहिए होंगे। उस समय सहायता के लिए कोई तैयार नहीं था। मैंने हरियाणा में ही अपने मित्र और पार्टी के साथी सरदार तेजा सिंह तिवाना से कहा कि वह मुझे पच्चीस हजार रुपये उधार दे सकते हैं? तिवाना सारी परिस्थिति से परिचित थे। फिर भी उन्होंने बिना हिचक मेरा अनुरोध स्वीकार कर लिया और दूसरे दिन बैंक खुलने के तुरंत बाद पच्चीस हजार रुपये दिए। मैंने उनको यह विश्वास दिलाया कि जिस समय वह सारनाथ सम्मेलन में आएंगे, लौटते समय ये पैसे वापस उनके हाथ में होंगे और मुझे संतोष है कि मैंने अपनी बात पूरी की। तिवाना जी की यह उदारता और मेरे प्रति उनका विश्वास मैं कभी भुला नहीं सका। ओमप्रकाश ही उस सम्मेलन की तैयारी उस निपुणता से कर सकते थे, जिसका उन्होंने परिचय अपनी कार्य कुशलता से दिया। सब मिलाकर थोड़े-से पैसे, कुल पच्चीस हजार रुपये थे, पर अपनी वाक?पटुता से वह सबका विश्वास प्राप्त करते रहे। मन में कभी-कभी संशय भी होता था कि कहीं हम अपनी योजना पूरी न कर सके तो क्या होगा। पर जब कार्य प्रारंभ हुआ तो सब कुछ सुगम होता गया।

चीन के साथ ही भारत को अमेरिका से भी सावधान रहने की जरूरत है

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति का खेल कितना मजेदार है, इसका पता हमें चीन और अमेरिका के ताजा रवैयों से पता चल रहा है। चीन हमसे कह रहा है कि हम अमेरिका से सावधान रहें और अमेरिका हमसे कह रहा है कि हम चीन पर जरा भी भरोसा न करें। लेकिन मेरी सोच है कि भारत को चाहिए कि वह चीन और अमेरिका, दोनों से सावधान रहे। आँख मींचकर किसी पर भी भरोसा न करे। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार 'ग्लोबल हेरल्ड' ने भारत सरकार को अमेरिकी दादागीरी के खिलाफ चेताया है। उसने कहा है कि अमेरिकी सातवें बेड़े का जो जंगी जहाज 7 अप्रैल को भारत के 'अनन्य आर्थिक क्षेत्र' में घुस आया है, यह अमेरिका की सरासर दादागीरी का प्रमाण है। जो काम पहले उसने दक्षिण चीनी समुद्र में किया, वह अब हिंद महासागर में भी कर रहा है। उसने अपनी दादागीरी के नशे में अपने दोस्त भारत को भी नहीं बख्शा।

चीन की शिकायत यह है कि भारत ने अमेरिका के प्रति नरमी क्यों दिखाई ? उसने इस अमेरिकी मर्यादा-भंग का डटकर विरोध क्यों नहीं किया ? चीन का कहना है कि अमेरिका सिर्फ अपने स्वार्थों का दोस्त है। उसके स्वार्थों के खातिर वह किसी भी दोस्त को दगा दे सकता है। उधर अमेरिकी सरकार के गुप्तचर विभाग ने अपनी ताजा रपट में भारत के लिए चीन और पाकिस्तान को बड़ा खतरा बताया है। उसका कहना है कि चीन आजकल सीमा-विवाद को लेकर भारत से बात जरूर कर रहा है लेकिन चीन की विस्तारवादी नीति से ताइवान, हांगकांग, द. कोरिया और जापान आदि सभी तंग हैं। वह पाकिस्तान को भी उकसाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। भारत की मोदी सरकार पाकिस्तानी कारस्तानियों को शायद बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि किसी आतंकवादी ने कोई बड़ा हत्याकांड कर दिया तो दोनों परमाणु संपन्न पड़ौसी देश युद्ध की मुद्रा धारण कर सकते हैं। चीन की कोशिश है कि वह भारत के पड़ौसी देशों में असुरक्षा की भावना को बढ़ा-चढ़ाकर बताए और वहां वह अपना वर्चस्व जमाए। वह पाकिस्तानी फौज की पीठ तो ठोकता ही रहता है, आजकल उसने म्यांमार की फौज के भी हौंसले बुलंद कर रखे हैं। उसने हाल ही में ईरान के साथ 400 बिलियन डॉलर का समझौता किया है और वह अफगान-संकट में भी सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है जबकि वहां भारत मूक दर्शक बना हुआ है। अब अमेरिका ने घोषणा की है कि वह 1 मई की बजाय 20 सितंबर 2021 को अपनी फौजें अफगानिस्तान से हटाएगा। ऐसी हालत में भारत के विदेश मंत्रालय को अधिक सावधान और सक्रिय होने की जरुरत है। हमारे विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर पढ़े-लिखे विदेश मंत्री और अनुभवी कूटनीतिज्ञ अफसर रहे हैं।

मोदी सरकार के प्रयास हो रहे सफल, जम्मू-कश्मीर में सिमट रहा है आतंकवाद

अनुच्छेद 370 निरस्त होने के डेढ़ वर्ष की यात्रा में जम्मू-कश्मीर में शांति, अमन-चैन एवं विकास की सुबह हुई है। भले ही वहां स्वार्थी एवं सत्तालोलुप राजनीतिक दलों के लिये यह सफर एक ऊहापोह का सफर रहा हो। ऐसे बड़े एवं कठोर निणर्यों से अच्छा-बुरा घटता ही है। कुछ को वह घायल करता है तो बहुतों को खुशी देता है, किसी का इससे सिर शर्म से झुक जाता है, तो अधिकांश के गर्व से ऊपर उठ जाते हैं। जम्मू-कश्मीर ही नहीं समूचे देश के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार का यह साहसिक निणर्य एक नए युग की शुरुआत साबित हुआ है, नई आशाओं को आकार देने का प्रस्थान बना है। विशेषतः यह आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने अभियान है। यह सशक्त राष्ट्र-निर्माण का प्रतीक है।

जम्मू-कश्मीर में चारों तरफ खुशियाँ, उत्साह, बधाइयाँ, खाना-पीना, विकास, जीने की संभावनाओं के पंख लगना- जैसी मनोरम नई सुबह देखी जा सकती है। सुरम्य और मनमोहक कश्मीर में पूरी तरह शांति की बयार बहने लगी है, ट्यूलिप गार्डन में खिले फूल यही संकेत दे रहे हैं। केन्द्र सरकार के संकल्प एवं सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान ने सीमा के आर-पार सुरंगें खोदकर आतंकियों की घुसपैठ की चाल चली, वह भी नाकाम की गई। सुरक्षा बलों ने एक के बाद एक चार सुरंगों का पता लगाकर उन्हें बंद कर दिया। आतंकवादियों के गिरते मनोबल का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि 2019 में जहां कुल 555 आतंकी घटनाएं हुई थीं, वहीं पिछले वर्ष केवल 142 घटनाएं ही दर्ज की गईं। सुरक्षा बलों की लगातार सर्चिंग के चलते आतंकवाद की कमर टूट गई है। आतंकवादी संगठन सोशल मीडिया के जरिये नई भतिर्यों की कोशिश कर रहे हैं और अब दहशतगर्दी एवं आतंकवादी संगठनों ने नाबालिगों, मासूम बच्चों एवं किशोरों को आतंक के जाल में फंसाना शुरू किया है, यह एक चिन्ताजनक स्थिति है। स्कूली बच्चों के हाथों में बंदूकें थमा देना और उन्हें मौत के मुँह में धकेल देना क्रूरता की हदें पार करना है, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। ऐसे क्रूर, हिंसक एवं वहशी दिमाग नयी-नयी लुभावनी स्थितियां गढ़कर आतंकवाद के आधार पर अशांति, हिंसा एवं जीवन नहीं बल्कि मौत का तांडव चला रहे है। इनके घातक एवं जीवन विनाशक मंसूबों को न स्थानीय नेता छोड़ पाये है, न आम जनता समझ पायी है। एक मजबूत राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ते कदमों को रोकने में आतंकवाद ने बड़ी बाधा डाली है। वायरन ने तो कहा भी है कि हजारों वर्षों में एक राष्ट्र का निर्माण होता है, किन्तु एक घंटे मात्र में वह धराशायी हो सकता है।'

इसलिये अब आम जनता को इन अराष्ट्रीय एवं अशांति के मंसूबों को समझना होगा, क्योंकि अब उनके षड्यंत्रों के शिकार युवा नहीं बल्कि किशोर पीढ़ी है, मासूम बच्चें निशाने पर है। कश्मीर में कैडर की कमी से जूझ रहे आतंकी संगठनों को युवा ठेंगा दिखा रहे हैं तो दहशतगर्दी ने नाबालिगों को आतंक के जाल में फंसाना शुरू कर दिया है। बच्चे राष्ट्रीय सम्पदा है, दुनिया के सभी राष्ट्रों की तरह वे हमारी उम्मीदें भी है, उनको निशाना बनाना राष्ट्रीयता पर हमला है। सभी राजनीतिक दलों को ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। यह कश्मीरी अवाम की भी जिम्मेदारी है कि वे अपनी नई पीढ़ी पर बढ़ते आतंक के साए के बीच आंखें बंद करके नहीं बैठें। उन्हें नई पीढ़ी को आतंक के पोषण और मासूमों के मन-मस्तिष्क में जहर भरने की साजिशों को रोकना ही होगा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा है कि अभिभावकों को अपने बच्चों से आतंकवादी घटनाओं में शामिल न होने की लगातार अपील करनी चाहिए। वे एक बार अपील करके न ठहर जाएं बल्कि लगातार प्रयास करते रहें। पूर्व में भी सुरक्षा बलों ने एक अभियान चलाया था जिसमें माताओं ने अपने बच्चों को हथियार छोड़कर लौट आने को कहा था तो काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए थे। कई युवा लौट आए थे। जो युवा आतंकवादी घटनाओं में लिप्त है उन्हें तो मुक्ति दिलानी ही है, उससे भी बड़ा काम है किशोरों को आतंकवादी बनने से रोकना। यह बड़ी चुनौती है, अन्यथा एक बार फिर चारों तरफ वे ही डरावने चेहरे, वे ही पुराने विस्फोटक मकान, वे ही अशांत गलियां, वे ही खून से सनी सड़कें, टूटी सड़कें, गन्दगी से भरे रास्ते, वाहनों से निकलकर थमा हुआ धुआं- साईकिल पर बिकता पानी मिला दूध, बासी 'डबल रोटी' को ताजी कहकर बेचने वालों की पुकार। बिना किसी उत्साह के अशांत, डरा, सहमा एवं हिंसाग्रस्त चलता जन-जीवन दिखाई देगा।

आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान तेजी से चल रहा है और हाल ही में तीन दिनों के अंदर सुरक्षा बलों ने 12 आतंकवादियों का सफाया कर दिया। जिन आतंकवादियों ने भारतीय सेना की टेरिटोरियल आर्मी के जवान की हत्या की थी उनका भी खात्मा कर दिया गया। दुखद बात तो यह है कि मारे गए आतंकवादियों में एक 14 साल का नाबालिग भी था। सुरक्षा बलों ने उसका आत्मसमर्पण कराने की काफी कोशिश की। वह दसवीं कक्षा का छात्र था और शोपियां जिले के ही जैंतापुरा के एक निजी स्कूल में पढ़ता था। 6 अप्रैल को ही वह लापता हुआ?था। जैसे ही सुरक्षा बलों को पता चला कि आतंकियों के साथ स्कूली बच्चा भी है तो सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल पर मां-बाप को लाकर उनसे अपील भी करवाई। मां की गुहार सुनकर बच्चा पिघल भी गया था और वह आत्मसमर्पण को तैयार था लेकिन उसके साथ मौजूद अलबदर कमांडर आसिफ शेख ने उसे बहकाना शुरू कर दिया। ऐसे बच्चों की संख्या आतंकवादी संगठनों में बढ़ रही है, इन अमानवीय चेहरों एवं आतंकवादियों ने सभी इंसानियत की सीमाओं का उल्लंघन करते हुए अब बच्चों को निशाना बनाया है, केन्द्र सरकार एवं सुरक्षा बलों की मुस्तैदी से उनका यह क्रूर इरादा सफल नहीं होगा। लेकिन इसके लिये सरकार के साथ-साथ आम जनता को भी जागरूक होना होगा। जैसा कि रस्किन ने कहा था कि जिस राष्ट्र ने अपने स्वरूप को पहचान लिया वही सच्चे साम्राज्य को पाने का अधिकारी है।' जम्मू-कश्मीर को अपनी स्व की पहचान एवं अस्तित्व एवं अस्मिता के स्वरूप को पहचानना ही होगा, तभी वह वास्तविक विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। यह सच्चाई है कि आतंकवादी संगठनों ने जम्मू-कश्मीर के भीतरी इलाकों में अपनी पहुंच बनाए रखी हुई है और मौका पाते ही वह अपनी साजिश को अंजाम देने की कोशिश करते हैं या फिर सुरक्षा बलों पर हमला कर देते हैं। जो संकेत मिल रहे हैं वे शुभ के परिचायक नहीं हैं, अभी भी भय एवं आतंक कायम है। बच्चों को आतंकवादी बनाने की घटनाओं से जुड़ी भयंकर त्रासदी तनाव और पीड़ा दे रही है। भविष्य की चेतावनी और वक्त की दस्तक सुन लेना ही समझदारी है एवं नये रूप में पसरते आतंकवाद पर काबू पाने की बड़ी जरूरत है। आतंकवादी संगठन कितने बच्चों को आतंकवाद की भेंट चढ़ायेगा? कितने बच्चों को जीवन से पहले मृत्यु देगा? कितने बच्चों को असुरक्षित जीवन देगा? यह बहुत कुछ अपने आप में समेटे हुए है। कामना तो शुभ, विकासमय, सुखमय एवं शांतिमय जम्मू-कश्मीर की करें। ऐसी कामनाएं अब साकार भी हो रही है, कुछ समय से जम्मू-कश्मीर पुलिस, स्थानीय नागरिकों और खुफिया तंत्र के साथ सुरक्षा बलों का बेहतर तालमेल कायम है। अब केन्द्र सरकार का पैसा आतंकवाद को पोषित करने नहीं बल्कि शांति-अमन-विकास को लाने में खर्च हो रहा है। अब पहले की तरह आतंकवादी संगठनों को अपने समूह में शामिल होने के लिए लोग नहीं मिल रहे। स्थानीय लोगों के बीच आतंक के रास्ते के खामियाजे को लेकर समझ और जागरूकता बढ़ी है। सच तो यह है कि अनुच्छेद हटाये जाने के बाद से कुछ दिनों के तनाव के बाद अब स्थितियां सामान्य हो चुकी हैं। इसका प्रमाण है कि जम्मू-कश्मीर के पंचायत और जिला परिषदों के चुनाव में एक भी गोली का नहीं चलना, शांतिपूर्ण मतदान होना।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर में पुलिस ने पकड़ा सेक्स रैकेट, पाँच युवतियों सहित एक युवक गिरफ्तार

ग्वालियर। कोरोना संकटकाल में भी जिश्मफरोशी का धंधा जोरों पर जारी है।मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुक्रवार को विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने एक ऐसे ही बड़े सैक्स रैकेट का भांडाफोड़ किया है। जिसमें पाँच युवतियों सहित एक युवक को पुलिस ने जिस्मफरोशी के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह युवतियां दूसरे शहरों से यहां आकर देह व्यापार करती थी। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में देह व्यापार का धंधा संचालित होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने कलेक्टरेड के पीछे एक रेस्टोरेंट पर छापा मारकर एक बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। सेक्स रैकेट में शामिल 5 युवतियां और 1 युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हिरासत में लीं गई युवतियां दिल्ली-कोलकाता की रहने वाली हैं। विश्वविद्यालय थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है, पूछताछ के बाद कुछ और लोग हिरासत में लिए जा सकते हैं।

चली धूल भरी आंधी, गर्मी से लोगों को मिली राहत, तापमान में गिरावट

नयी दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शुक्रवार की शाम राष्ट्रीय राजधानी में धूलभरी आंधी आई जिससे दृश्यता का स्तर प्रभावित हुआ और बादल छाये रहने से तापमान में कुछ कमी आई। विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि शाम लगभग चार बजे बजे दिल्ली में धूलभरी आंधी आई। हवा की गति 50 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। उन्होंने बताया कि ओलावृष्टि का भी अनुमान है। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में बहुत हल्की बारिश भी हुई। शहर में शुक्रवार को सुबह न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान करीब 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो इस मौसम में अब तक का सर्वाधिक तापमान है।

पीएम ने ऑक्सीजन की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की, राज्यों के साथ सहयोग सुनिश्चित करने को कहा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देश में ऑक्सीजन आपूर्ति की मौजूदा स्थिति के साथ ही, कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित 12 राज्यों में आगामी 15 दिनों में इसके अनुमानित इस्तेमाल के मद्देनजर पैदा होने वाले हालात की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान के मुताबिक , मोदी ने देश में चिकित्सा ग्रेड की ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी विस्तार से समीक्षा की। पीएमओ के मुताबिक, इस समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, इस्पात, सड़क परिवहन व अन्य मंत्रालयों की ओर से संबंधित जानकारियां प्रधानमंत्री से साझा की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों के बीच आपसी

समन्वय और राज्य सरकारों के साथ सहयोग सुनिश्चित करने को कहा।

बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने देश में आक्सीजन आपूर्ति की वर्तमान स्थिति और कोरोना महामारी से अत्याधिक प्रभावित 12 राज्यों में आगामी 15 दिनों में इसके अनुमानित इस्तेमाल की स्थिति की समीक्षा की।'' इन 12 राज्यों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान शामिल हैं। इन राज्यों में ऑक्सीजन आपूर्ति की जिलावार स्थिति के बारे में एक विवरण प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अधिकारियों ने देश में चिकित्सा ग्रेड की ऑक्सीजन आयात करने के संबंध में किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी प्रधानमंत्री को अवगत कराया।

लखनऊ के अस्पताल में हो रहा लोगो के जान से खिलवाड़

(आधुनिक समाचार)
(राजेश मिश्रा)

लखनऊ।उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ की एक नामी अस्पताल मे कोरोना मरीजों की शव के साथ हो रहा है। अन्याय पूर्ण व्यवहार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फरियाद की खबरे सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। बताते चलें कि प्रदेश की राजधानी के लोकबन्धु अस्पताल का वीडियो हुआ वायरल जहां एक तरफ कोरोना के कारण लखनऊ में हाहाकार मचा हुआ है।वहीं लोकबंधु अस्पताल में जो व्यक्ति भर्ती होते हैं। वह जिंदा होकर नहीं लौट रहे हैं की गम्भीर रूप आरोप इस समय सोशल मीडिया पर खूब वारयल हो रही है।उपरोक्त अस्पताल मे शवों के साथ किस तरह से दुर्दशा की जा रही है और शवों के शरीर से ब्लड तक निकल रहे हैं। इसकी वायरल विडियो देखकर लोगो की रौंगटे खड़ी हो जा रही है।इस अस्पताल मे कोरोना की इस महामारी के दौर मे उपचार के नाम पर कहीं कुछ और तो नहीं चल रहा है। उत्तर-प्रदेश के आमजन ने सीएम योगी का ध्यान इस अस्पताल की ओर केंद्रित कराने का फरियाद किया है।

विकास नगर लखनऊ में शुरू हुआ सैनेटाइजेशन

(आधुनिक समाचार)
(राजेश मिश्रा)

लखनऊ। विकास नगर में अथक प्रयासों के बाद सभासद श्रीमती मिथिलेश चौहान द्वारा आज सेक्टर4 को सैनेटाइज किया गया।

सभासद पुत्र कुलदीप सिंह चौहान ने आधुनिक समाचार संवाददाता से बताया की आगे भी इसी तरह से सैनेटाइजेशन होता रहेगा विकास नगर के समस्त निवासियों से अनुरोध है कि वे जरुरी काम हो तभी बाहर निकलें अन्यथा घर पर रहें मास्क पहने और स्वस्थ रहें हम सभी मिलकर इस करोना से लड़ेंगे।

दूसरी बार कोरोना संक्रमित हुए कर्नाटक के सीएम येदियुरप्पा, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। 78 वर्षीय येदियुरप्पा दूसरी बार संक्रमित पाए गए हैं। इससे पहले वह पिछले साल दो अगस्त को भी संक्रमित हुए थे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि कर्नाटक सीएम बीएस येदियुरप्पा कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। उन्हें सबसे पहले रमैया मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां से अब मणिपाल हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है। उन्होंने आज ही अपने निवास पर कोविड पर एक आपातकालीन बैठक आयोजित की थी।

ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए नड्डा बोले- संविधान की रक्षा करने में विफल रहीं दीदी

केतुग्राम (पश्चिम बंगाल)। केंद्रीय बलों का घेराव करने संबंधी बयान के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को आश्चर्य व्यक्त किया कि वह कैसे इतने वर्षों से प्रशासन चला रही हैं। पूर्वी वर्द्धमान जिले में यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह संविधान की रक्षा करने में विफल रही हैं। मुख्यमंत्री पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई भी कदम नहीं उठाने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा कि राज्य में बलात्कार की घटनाओं, तेजाब हमले और घरेलू हिंसा के ''सर्वाधिक'' मामले हैं।

उन्होंने कहा, ''सत्ता में आने के बाद से ही वह मां, माटी और मानुष की बात करती रही हैं। क्या हुआ मां का? पश्चिम बंगाल में बलात्कार, तेजाब हमले और घरेलू हिंसा के सबसे अधिक मामले हैं। उनकी सरकार केंद्र सरकार को अपराध के आंकड़े नहीं भेजती है। अब स्पष्ट हो गया है कि वह आंकड़े क्यों नहीं भेजतीं।'' राज्य में कृषि संबंधित ढांचा

विकसित नहीं करने का मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र धान और आलू की उपज के लिए जाना जाता है लेकिन यहां के किसानों को उनकी उपज का पारिश्रमिक भी नहीं मिल पाता है। तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने पूछा, ''राज्य में कितने कोल्ड स्टोरेज और वेयरहाउस हैं। बिचौलिए किसानों का शोषण कर रहे हैं। राज्य में सिंचाई की भी कोई व्यवस्था नहीं है।'' नड्डा ने आयुष्मान भारत योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं से राज्य के लोगों को वंचित रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने तो अम्फान तूफान की मुआवजा राशि में भी घोटाला कर डाला। केंद्रीय सुरक्षा बलों का ''घेराव करने'' संबंधी ममता बनर्जी के बयान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा, ''यदि यह उनका बयान है तो मुझे आश्चर्य होता है कि उन्होंने इतने वर्षों तक प्रशासन कैसे चलाया। संविधान की रक्षा करना कर्तव्य है लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकीं'' उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो वह राज्य के लोगों को वसूली, तुष्टिकरण की राजनीति, तानाशाही और कटमनी की संस्कृति से निजात दिलाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में इस बार भाजपा की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि नव वर्ष में राज्य के लोग असली परिवर्तन का एहसास करेंगे।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के रिकॉर्ड 27,426 नये मामले, 103 और मरीजों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को कोविड-19 के 27,426नये मामले सामने आये जबकि संक्रमण से 103और मरीजों की मौत हो गई। अपर मुख?य सचिव स्वास्थ्य व चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद ने शुक्रवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 27,426 नये संक्रमितों के मिलने से अब तक कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,93,720 हो गई है। उन्होंने बताया कि वहीं 103 और मरीजों की मौत होने से राज्य में मृतक संख्या बढ़कर 9,583 हो गई है। प्रसाद ने कहा कि बृहस्पतिवार को 2.23 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई और अब तक कुल 3.78 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की जा चुकी है। राज?य में 1,50,676 मरीज उपचाराधीन है जिनमें 77,146 घरेलू पृथकवास में जबकि 2,435 निजी अस्पतालों में और बाकी सरकारी अस्पतालों में अपना उपचार करा रहे है।

सोनू सूद की तरह एक और मसीहा बने श्रीनिवास बीवी, ट्वीटर के जरिए लोगों की करते है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी0 भारत में बढ़ते तेजी से कोरोना के केस से एक बार फिर देश पर खतरा मंडरा रहा है। जब मार्च 2020 में सरकार ने लॉकडाउन की घोषणा की थी तब लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा पर सुरक्षा को देखते हुए सरकार का यह फैसला भी जरूरी था। ऐसे कठिन समय में जब लोग अपनो से दूर रहकर ट्वीटर के जरिए सरकार से मदद मांग रहे थे तब मसीहा बनकर बॉलिवुड के स्टार सोनू सूद ने आम जनता पर अपना सबकूछ लुटा दिया और दिल खोलकर लोगों की मदद की। किसी को वापस घर लौटने से लेकर दवाइयों का इतंजाम कराना होता तो लोग सरकार नहीं सोनू सूद की मदद लेते। सबका दिल जीतने वाले सोनू सूद जैसे ही एक और मसीहा है जिन्होंने आगे बढ़कर लोगों की मदद जोर-शोर से कर रहे है।

इनका नाम है श्रीनिवास बीवी ।

सोनू सूद के बाद अब आप लोग इनका नाम भी अपने दिलों दिमाग में डाल ले क्योंकि इन्होंने भी एक ट्वीटर पर मांगी एक मदद का तुरंत जवाब दिया है। जी हां, एक खबर की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्वीटर पर इनसे एक मांगी मदद से तुरंत जवाब भी मिल जाता है और जरूरतमंदों की घंटों में मदद कर दी जाती है। श्रीनिवास बीवी ने अपने ट्वीटर पर एक पोस्ट जारी कर लिखा है कि अगर किसी को दिल्ली के सरकारी अस्पताल में बेड चाहिए तो वह तुरंत उनसे संपर्क करे। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया है कि उनकी पूरी मदद की जाएगी। बता दें कि श्रीनिवास बीवी की कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, झारखंड समते हर राज्यों में टीम बनी हुई है जो लोगों तक मदद पहुंचा रही है। अगर आपको कोई मदद चाहिए तो बस ट्वीटर पर श्रीनिवास बीवी को टैग किजिए और तुरंत आपको मदद मिल जाएगी।

श्रीनिवास बीवी एक इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। कर्नाटक के रहने वाले श्रीनिवासन ने पिछली कोरोना लहर में भी लोगों की भरपूर मदद की थी। लोग इनसे सोनू सूद की ही तरह मदद मांगते रहते है। बता दें कि इनकी राजनिति करियर की शुरूआत एळध के सदस्य को तौर पर हुई थी।

एस जयशंकर ने मालदीव के विदेश मंत्री से द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को मालदीव के अपने समकक्ष

अब्दुल्ला शाहिद के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों पर चर्चा की और अंतरराष्ट्रीय मंच पर करीबी सहयोग बनाकर काम करने को लेकर सहमति व्यक्त की। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद बृहस्पतिवार को दो दिवसीय यात्रा पर भारत आए हैं। शाहिद ने ''रायसीना डायलॉग'' में भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट किया, '' मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद का स्वागत किया। रायसीना डायलॉग में उनके हिस्सा लेने की सराहना की। हमने अपने गठजोड़ में सतत प्रगति को रेखांकित किया। ''

जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी करीबी सहयोग बनाकर काम करेंगे। इससे पहले बुधवार को विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा था कि मालदीव के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों पक्ष द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हितों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करेंगे, इससे दोनों देशों के बीच करीबी द्विपक्षीय सहयोग को और गति मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि मालदीव हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत का करीबी नौवहन सहयोगी है और प्रधानमंत्री के 'सागर' दृष्टिकोण (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फ़ॉर ऑल इन द रीजन) में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वहीं, शाहिद ने रायसीना डॉयलाग में हिस्सा लेते हुए अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराने के लिए भारत की सराहना की। उन्होंनेकहा कि भारत ने बहुपक्षवाद और एक वैश्विक समुदाय को कैसे काम करना चाहिए, इसका एक उदाहरण बनकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए उम्मीद जगायी है।

'कुछ लोग महामारी का समाधान बताने की बजाए पॉलिटिकल पॉल्यूशन का किस्सा बनते जा रहेहैं

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी अपने चरम पर है। इसके साथ-साथ राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। कोरोना को प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग लगातार उठ रही है। इस बात को लेकर आप केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पलटवार किया है। न्यूज़ एजेंसी ए एन आई के मुताबिक मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कुछ लोग समाधान बताने की बजाय राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के समाधान का हिस्सा बनने की बजाए पॉलिटिकल पॉल्यूशन का किस्सा बनते जा रहे हैं। राहुल गांधी और अन्य नेता कुछ भी बोलते हैं..इस तरह का भय, भ्रम फैलाएंगे तो ये आपके लिए भी ठीक नहीं है। आपको बता देंकि भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड 2,17,353 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,42,91,917 हो गई है और इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 15 लाख के पार चली गई है।

क्या कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण बंद हो जाएंगी ट्रेनें? रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने दिया जवाब

नयी दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि अभी तक किसी भी राज्य ने ट्रेन सेवा बंद करने का अनुरोध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जहां भी राज्यों ने निषिद्ध क्षेत्रों को लेकर चिंता जतायी है वहां यात्रियों की रैंडम जांच और गंतव्य पर पहुंचने पर जांच की जा रही है। शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रेलवे ने इंगित किया है कि आईआरसीटीसी की टिकट बुक करने वाली वेबसाइट पर दिए गए प्रोटोकॉल का सभी राज्य पालन कर रहे हैं, वेबसाइट पर बताया जा रहा है कि यात्री को किन क्षेत्रों में जाने से पहले आरटी-पीसीआर जांच करवाने या कोविड-19 नेगेटिव प्रमाणपत्र लेने की जरुरत है, या फिर कहां पहुंचने पर उन्हें जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा।

उन्होंने कहा, ''अभी तक किसी भी राज्य की सरकार ने ट्रेनों का संचालन बंद करने को नहीं कहा है। लेकिन जहां भी चिंता की बात है, राज्य सरकारों ने मुद्दे को लेकर हमसे चर्चा की है और जहां भी निषिद्ध क्षेत्र है वहां रैंडम जांच किए जा रहे हैं। रेलवे ने ई-टिकट कराने की वेबसाइट पर सारी जानकारी दी हुई

है और यात्रियों को सूचना दी जा रही है कि गंतव्य पर पहुंचने पर उन्हें जांच करवानी होगी या फिर कोविड-19 प्रमाणपत्र लेकर जाना होगा।'' शर्मा ने यह भी कहा कि रेलवे यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग कर रहा है और कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत जुर्माने की राशि भी अधिसूचित कर दी है। उन्होंने श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने की संभावना से इंकार कर दिया और कहा कि मांग और जरुरत के मुताबिक ट्रेनें चलायी जाएंगी। शर्मा ने यह भी कहा कि स्टेशनों पर भीड़ रोकने के लक्ष्य से प्लेटफॉर्म टिकट का मूल्य बढ़ा दिया गया है। कोविड केयर सेंटर के रूप में इस्तेमाल होने वाले परिवर्तित डिब्बों के बारे में सवाल करने पर शर्मा ने कहा, ''देश में विभिनन्‍ जगहों पर हमारे पास 4,000 आइसोलेशन कोच (बोगी) है। हमें महाराष्ट्र के नांदरबार से 100 से ज्यादा बोगियों की मांग आयी है और 20 आइसोलेशन कोच मुहैया कराए गए है।'' शर्मा ने कहा कि रेलवे मुंबई, गुजरात, कर्नाटक और जहां भी मांग ज्यादा है, वहां सभी स्टेशनों पर करीब से नजर रखे हुए है और जोनल महाप्रबंधकों को अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको आश्वासन देता हूं कि सेवा में कोई कमी नहीं है, हालात सामान्य हैं, खास तौर से मुंबई, सूरत और बेंगलुरु में।''

भारतीय रेल औसतन एक दिन में 1,490 मालगाड.ियों और एक्सप्रेस ट्रेनों तथा 5,397 उपनगरीय ट्रेन सेवाओं का संचालन करती है। शर्मा ने कहा, ''हम ज्यादा लोकप्रियता वाली ट्रेनों के 28 क्लोन ट्रेनें और 947 यात्री ट्रेनों का संचालन भी कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि करीब 70 प्रतिशत ट्रेन सेवा बहाल हो गयी है। उन्होंने कहा, ''देश भर में अतिरिक्त भीड़ कम करने के लिहाज से रेलवे 140 अतिरिक्त ट्रेनों का भी संचालन कर रही है।

ओडिशा में कोरोना के 3,108 नये मामले, तीन लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा में शुक्रवार को 3,108 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद राज्य में कोविड-19 संक्रमितों की कुल संख्या 3,61,450 हो गई। वहीं, संक्रमण से तीन और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 1,938 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बीच, कोविड-19 के लगातार बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए राज्य के बड़े पर्यटन केंद्र, कोणार्क के सूर्य मंदिर को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कहा कि मौजूदा कोविड-19 स्थिति के चलते, राज्य में सभी केंद्र संरक्षित स्मारकों, स्थलों और संग्राहलयों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। पुरी के श्री जगननथ मंदिर, कोणार्क के सूर्य मंदिर और पुरी के श्री लिंगराज मंदिर समेत तीन प्रमुख स्मारक एवं स्थल, एसएसआई संरक्षित धरोहरों में शुमार हैं। एएसआई के ओडिशा मंडल के अधीक्षण अभियंता ए के मल्लिक ने कहा कि श्री जगननथ मंदिर और श्री लिंगराज मंदिर के अधिकारियों को स्मारकों को बंद करने के एएसआई के फैसले से अवगत करा दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक अंतिम खबरें आने तक, श्री जगननथ मंदिर प्रशासन आगे के कदमों पर फैसला लेने के लिए विभिनन्‍ हितधारकों के साथ बैठक कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को सामने आए 3,000 से अधिक मामलों को इस साल अब तक के सर्वाधिक मामलों के तौर पर देखा जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि उपचाराधीन लोगों की संख्या बढ़कर 16,889 हो गई है जो दो हफ्ते पहले एक अप्रैल को 2,125 थी। बोलांगीर, गंजम और संबलपुर जिलों में तीन लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या भी 1,938 पर पहुंच हई है। इसके अलावा,कोविड-19 के 53 अन्य मरीजों की अन्य गंभीर बीमारियों के चलते मौत हुई। नये 3,108 मामलों में से 1,806 पृथक-वास केंद्रों से सामने आए जबकि बाकियों का पता संक्रमितों के संपर्कों का पता लगाने के दौरान चला। सर्वाधिक 534 नये मामले खुर्दा जिले में सामने आए। इसके बाद 523 मरीज सुंदरगढ़ में मिले। इसके अलावा कटक में 163,नबरंगपुर में 156, संबलपुर में 153, बालासोर में151, नुआपाड़ा में140, बारगढ़ में 132, बोलांगीर में 133, पुरी में 114 और क्योंझार में 105 मामले मिले। महापात्रा और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय के निदेशक डॉ सीबीके मोहंती ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर बुजुर्गों से ज्यादा युवाओं को प्रभावित कर रही है।

हरिद्वार कुंभ की शोभा बढ़ा रहे मुस्लिम संत श्री एम, सीएम योगी से भी है खास रिश्ता

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच हरिद्वार कुंभ का आयोजन भले ही चर्चा का विषय बना हुआ है लेकिन साधु-संतों की मौजूदगी इसकी शोभा बढ़ा रही है। इन सबके बीच हरिद्वार कुंभ में एक ऐसा संत पहुंचा है जो हिंदुओं के इस महापर्व में चार चांद लगा रहा है। माथे पर यू आकार का चंदन तिलक है, गेरुआ वस्त्र धारण किए हुए संत को देखने के बाद यह कोई नहीं कह सकता कि यह मुस्लिम परिवार में पैदा हुए थे। हालांकि शुरू से यह वैष्णव परंपरा में ही खुद को ढाल चुके हैं। यह श्री एम के नाम से जाने जाते हैं। उपनिषदों और भगवत गीता का प्रवचन देते हैं। पूछने पर पता चला कि श्री एम का जन्म केरल के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था और इनका नाम मुमताज अली खान था। कुंभ में इन्होंने अपना अखाड़ा योगदान स्थापित किया है जहां शास्त्रों का प्रवचन हर रोज होता है। मुस्कुराती आंखों से वे कहते हैं कि भगवान को अलग-अलग नामों से जाना जाता है, अल्लाह, मसीह, कृष्ण और अन्य लेकिन बावजूद इसके ईश्वर एक है। अगर एक बार हमें ज्ञान प्राप्त होता है तो हमें बस एक ही चीज दिखाई देती है कि हर कोई एक ही मार्ग की तलाश कर रहा है। श्री एम जिस तरीके से वेदों, उपनिषदों और भगवत गीता पर धाराप्रवाह प्रवचन देते हैं।

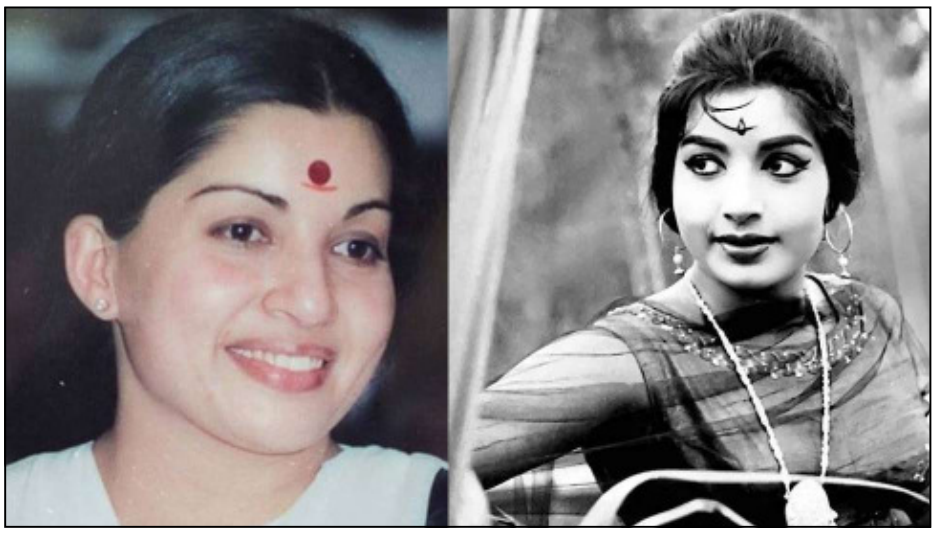

जब रजनीकांत के साथ फिल्म करने का मौका चूक गई थीं जयललिता, ऐसे बनीं अभिनेत्री से राजनेता

मुम्बई। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक नेता रही जयललिता दो साल आज ही 5 दिसंबर के दिन दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह गई थीं। देश के चर्चित नेताओं में अपना नाम शामिल कराने वाली जयललिता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों से की थी। 24 फरवरी 1948 को कर्नाटक के ब्राह्मण परिवार में जयललिता का जन्म हुआ था। देश के सबसे पावरफुल राजनेताओं में से एक जे। जयललिता का 68 साल की उम्र में निधन हो गया था। 15 वर्ष की उम्र में फिल्मी करियर शुरू करने वाली जयललिता ने फेमस तमिल एक्ट्रेस के रूप में नाम कमाया। जयललिता साउथ के ख्यात सुपरस्टार एमजीआर को अपना गुरु मानती थीं। उनके साथ जयललिता ने 28 फिल्मों में काम किया। एमजीआर भारतीय राजनीति के सम्मानित नेताओं में से एक थे। अपनी पहली तमिल फिल्म वेन्निरा आदई को उस वक्त जयललिता देख नहीं पाई थीं क्योंकि वो उस समय 16 साल की थीं। दरअसल इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट मिला था। तमिल तेलुगू, कनन्ड़ और एक हिंदी फिल्म सहित उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। 1980 में आई रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बिल्ला' में पहले श्री प्रिया वाला रोल जयललिता करने वाली थीं। फिल्म 'बिल्ला' बॉलीवुड मूवी 'डॉन' की तमिल रिमेक थी। बाद में ये रोल एक्ट्रेस श्री प्रिया को मिल गया था। कई सालों के फिल्मी करियर के बाद जयललिता ने इसे अलविदा कह राजनीति में आ गई थीं। एम करुणानिधि की पार्टी द्रमुक से टूटने के बाद एमजीआर ने अननद्रमुक का गठन किया। साल 1983 में एमजीआर ने जयललिता को पार्टी का सचिव नियुक्त किया और राज्यसभा के लिए मनोनित किया। एमजीआर के निधन के बाद जयललिता साल 1987 में पूरी तरह उभर कर सामने आई। जनता के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाने के बाद जयललिता पहली बार साल 1991 में तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनीं। साल 1991-96, 2001-2006 और मई 2011 से सितंबर 2014 तक मुख्यमंत्री रहीं। जयललिता को महंगी साड़ियों और जूतों का काफी क्रेज था। उनके यहां जब सीबीआई के छापे पड़े थे, तब उनके पास से 750 जोड़ी जूते मिले थे। यही नहीं, इस छापे में कई किलो सोना और डेढ़ किलो रतनें से जड़ी कमर की पेटी भी जब्त हुई थी। इसके अलावा, उनके पास से 10,500 बेहद महंगी साड़ियां भी मिली थीं। 27 सितंबर 2014 को बेंगलुरु की एक अदालत ने जयलिलता को आय से अधिक सम्पति के मामले में चार साल कैद की सजा सुनाई। 5 दिसंबर, 2016 को लंबी बीमारी के बाद जयललिता का निधन हो गया।

'ऐसी फिल्मों में काम करना चाहती हूं जहां महिलाएं प्रमुख हों'

मुंबई। अभिनेत्री पाउली दाम का कहना है कि वह सिनेमा में हमेशा महिलाओं के दृष्टिकोण को सामने रखना चाहती हैं और उनकी हाल की फिल्में इस सोच को दर्शाती हैं। बंगाली और हिन्दी सिनेमा में काम करने वाली दाम की 2020 में दो फिल्में 'काली' और 'बुलबुल' आयीं जिन्हें आलोचकों और दर्शकों दोनों ने खूब पसंद किया। 'बुलबुल' में अभिनेत्री ने जहां विधवा की भूमिका निभाई है वहीं 'काली' में वह अपने बेटे को बचाने के लिए भ्रष्टतंत्र से लड़ रही मां की भूमिका में थीं। कोलकाता से 'जूम' पर पीटीआई से बातचीत में पाउली दाम ने कहा, ''मै हमेशा से यही करना चाहती थी। ऐसा नहीं है कि मुझे मेरे करियर की शुरुआत से ही ऐसे मजबूत किरदार मिलने लगे।मुख्य धारा की सिनेमा में आप कुछ सीमित तरीके के किरदार ही कर सकते है। आप एक ही तरह से सोचते है। लेकिन मै ऐसी फिल्में करना चाहती थी जहां महिलाओं की भूमिका प्रमुख हो, जहां वे मजबूत किरदार में हों।'' दाम (40) ने 2006 में अपने करियर की शुरुआत की और तीन साल बाद नक्सल आंदोलन पर आधारित गौतम घोष के बंगाली ड्रामा 'कालबेला' से उन्हें लोकप्रियता मिली। फिलहाल पाउली दाम की थ्रिलर फिल्म 'रात बाकी है' जी5 पर आने वाली है।

सेक्रेड गेम्स की अभिनेत्री राजश्री देशपांडेय फिर विवादों में

नई दिल्ली। मलयालम की एक विवादित फिल्म एस दुर्गा में काम कर चुकी राजश्री देशपांडेय एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार नेटफ्लिक्स ओरिजनल पर चल रहे कार्यक्रम सेक्रेड गेम्स में उनके कुछ न्यूड सीन चर्चा का विषय बने हुए हैं। राजश्री सेक्रेड गेम्स में गैंगस्टर गणेश गायतोंडे की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनका किरदारकाफी महत्वपूर्ण है। अब तक इस धारावाहिक के आठ एपिसोड दिखाए गए हैं। इनमें राजश्री, नवाजुद्दीन के साथ कुछ अंतरंग दृष्यों में दिखाई दी हैं। इनमें कुछ न्यूड सीन भी शामिल हैं। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में राजश्री ने बताया कि सेक्रेड गेम्स की रिलीज के बाद उन्हें कुछ भद्दे मैसेज भेजे गए। कुछ में तो उन्हें पोर्न स्टार कहा गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सीन करना मेरे लिए काफी चुनौती पूर्ण रहा था। लेकिन फिर भी मैने सीन की मांग को देखते हुए इस तरह का अभिनय किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें पता चला की उनके इस सीन के चित्र वाटसऐप पर वायरल होने लगे हैं।उन्होंने बताया कि

उनके इस तरह के चित्रों को इंटरनेट पर वायरल करने के साथ ही कुछ पोर्न साइटों पर भी डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह काफी दुखद है कि लोग उन्हें भद्दे मैसेज भेज रहे हैं और उन्हें पोर्न स्टार कह रहे हैं। राजश्री ने बताया कि वे इंटरनेट पर इस तरह के दुष्प्रचार से आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह की भद्दी टिप्पणियों पर वो ध्यान नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अनुराग कश्यप पर पूरा भरोसा हैं। उन्होंने मुझे कहा है कि यदि मुझे इस तरह के सीन से कोई परेशानी होती है तो वो इस तरह के सीन को तुरंत हटा देंगे।राजश्री ने कहा कि वो सेक्रेड गेम्स में अपने सीन्स को ले कर ट्रोल होने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी उन्हें कई बार ट्रोल किया गया है। उन्होंने कहा कि एस दुर्गा फिल्म करने के बाद उन्हें हत्या तक किए जाने की धमकियां मिली थीं।

हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध निर्देशक श्याम बेनेगल

नई दिल्ली। अंकुर, निशांत, मंथन और भूमिका जैसी फिल्मों के लिये चर्चित बेनेगल समानांतर सिनेमा के अग्रणी निर्देशकों में शुमार किये जाते हैं। श्याम को 1976 में पद्मश्री और 1961 में पद्मभूषण सम्मान दिये गये। 2007 में वे अपने योगदान के लिये भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से नवाज़े गये। सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फीचर फिल्म के लिये राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाँच बार जीतने वाले वे एकमात्र फिल्म निर्देशक हैं। श्याम बेनेगल को भारत सरकार द्वारा सन 1991 में कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया था। ये महाराष्ट्र से हैं। एक व्यावसायिक छायाकार के बेटे और प्रख्यात फ़िल्मकार गुरुदत्त के भतीजे श्याम बेनेगल ने बम्बई (वर्तमान मुम्बई) में एक निर्माता के रूप में अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत की। अपनी पहली फ़िल्म अंकुर (1973) बनाने से पहले उन्होंने 900 से भी ज़्यादा विज्ञापन फ़िल्में और 11 कॉरपोरेट फ़िल्में बनाई थीं। ग्रामीण आन्ध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी यथार्थवादी फ़िल्म अंकुर की व्यावसायिक सफलता से भारतीय समान्तर सिनेमा आन्दोलन के युग का उदय हुआ, जिसकी शुरुआत कुछ वर्ष पहले मृणाल सेन की भुवनशोम ने की थी। श्याम बेनेगल की आरम्भिक फ़िल्मों अंकुर, निशांत (1975) और मंथन (1975) ने भारतीय सिनेमा को बेहतरीन कलाकार (नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी और स्मिता पाटिल) दिए। मनोरंजन और सामाजिक सरोकार के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश में बेनेगल ने अपनी बाद की फ़िल्मों कलयुग (1980), जुनून (1979), त्रिकाल (1985) और मंडी (1983) से ग्रामीण पृष्ठभूमि को छोड़कर नाटकीय और शहरी विषय-वस्तुओं पर फ़िल्में बनानी शुरू कीं। जवाहरलाल नेहरू और सत्यजित राय पर वृत्तचित्र बनाने के अलावा उन्होंने 1980 के दशक के मध्य में दूरदर्शन के लिए बहुत-से धारावाहिक (यात्रा,

कथा सागर और भारत एक खोज) भी बनाए। यह समय उनके लिए फ़िल्म निर्माण से लम्बे अलगाव का था। अंतर्नाद (1992) के साथ फ़िल्मी दुनिया में वापसी के साथ बेनेगल अपनी पुरानी और सक्रिय कार्यशैली में लौटे। उन्होंने चार फ़ीचर फ़िल्में सूरज का सातवां घोड़ा (1993), मम्मो (1995), सरदारी बेगम (1997), समर (1990 के दशक के उत्तरार्द्ध में) हरी भरी और ज़ुबैदा (दोनों 2001) बनाई। 1974 में उन्होंने अंकुर जैसी युग प्रवर्तक फ़िल्म बनाकर एक प्रकार से सिनेकर्म को नई शक्ल दी। महान फ़िल्मकार सत्यजित राय से प्रभावित होने के बावजूद श्याम ने अपनी फ़िल्म को महज कलाकृति तक सीमित नहीं रखा, वरन उसे एक राजनीतिक-सामाजिक वक्तव्य की शक्ल देने की कोशिश की। अंकुर सिनेकर्म की दृष्टि से एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण रचना थी। बर्लिन फ़िल्मोत्सव में पुरस्कृत और ऑस्कर के लिए प्रविष्टि के बतौर चुनी गई इस फ़िल्म के बारे में समीक्षकों ने खुलकर चर्चा की। ख्यात फ़िल्म विश्लेषिका अरुणा वासुदेव के अनुसार, फ़िल्म निर्माताओं और दर्शकों में तकनीक और सिनेमाई समझ दोनों ही स्तर पर अनगढ़ता का माहौल था। अंकुर ने इन्हें सुस्पष्ट कर नूतन आकार सौंपा।इसके साथ ही श्याम बेनेगल के रूप में भारतीय सिनेमा के एक नए अध्याय का भी सूत्रपात हुआ। 1959 में बतौर कॉपी राईटर से अपने कैरियर की शुरुआत कर और सरदारी बेगम, मम्मो, निशांत, अंकुर, कलयुग, सूरज का सातवां घोडा, जुबैदा, वेल्ककम टू सज्जुनपुर जैसी फ़िल्में बनाकर सम्पूर्ण बॉलीवुड में अपने एक अलग सिनेमा के जरिये कामयाबी की बुलंदियों पर चढ़ने वाले फ़िल्म निर्देशक श्याम बेनेगल को लंदन स्थित साउथ एशियन सिनेमा फाउंडेशन (एसएसीएफ) द्वारा 9 जून 2012 को एक्सीलेंस इन सिनेमा अवार्ड से सम्मानित किया गया।एसएसीएफ के निदेशक ललित मोहन जोशी ने सम्मान की घोषणा करते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा में नई तरंग के जनक के रूप में श्याम बेनेगल का यकीनन वही कद है जो कद अंतरराष्ट्रीय जगत में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध फ़िल्मकार सत्यजीत रे का है। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड पुरस्कार पाने वाले छठे भारतीय हैं।

सुशांत केस : ड्रग्स मामले में साहिल शाह बना मुख्य संदिग्ध, मलाड अपार्टमेंट में रहता था साथ

मुम्बई। बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में ड्रग्स ऐंगल से जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मंगलवार दोपहर को ड्रग पेडलर साहिल शाह के 2 साथियों को गिरफ्तार किया था। अब एनसीबी को मुख्य तौर पर इसी साहिल शाह पर शक है और एजेंसी उसे मुख्य संदिग्ध मान रही है। साहिल को अभी पकड़ा नहीं जा सका है। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने बताया, 'पिछले 6 महीने से साहिल शाह हमारे लिए पहेली बना हुआ था। हमने सोमवार रात को उसके मलाड वाले घर पर छापेमारी की, जहां पर उसकी मां और पतनी मौजूद थी। संयोग से यह उसी कॉम्प्लेक्स में रहता था जहां पहले सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे। साहिल ही करण अरोड़ा और अब्बास लखानी को ड्रग्स सप्लाई करता था जिन्हें एनसीबी ने पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया था।' बता दें कि करण अरोड़ा और अब्बास लखानी को 59 ग्राम बनाए गए गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया था। अभी ये दोनों जमानत पर छूटे हुए हैं। जहां तक साहिल की बात हैं तो उसने एक फिल्म ऐक्ट्रेस से शादी की है और अभी फरार है। एनसीबी ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक सहित 33 लोगों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर चुकी है। रिया और शौविक भी जमानत पर रिहा कर दिए गए हैं। इस केस की जांच में एनसीबी सारा अली खान, दीपिका पादुकोण, रकुलप्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर जैसे बड़े बॉलिवुड सिलेब्रिटीज से भी पूछताछ कर चुकी है।

अगर प्रगतिशील फिल्में बनेंगी तो कोई नहीं देखेगाः नीना गुप्ता

मुंबई। अभिनेत्री नीना गुप्ता मानती हैं कि भारतीय दर्शक सामाजिक मान्यताओं को तोड़ने वाले प्रगतिशील मुद्दों पर बनी फिल्में स्वीकार नहीं कर पाएंगे। नीना ने कहा कि हमारा सिनेमा कभी प्रगतिशील नहीं हो सकता। अगर हम सिनेमा को प्रगतिशील बनाएंगे तो कोई नहीं देखेगा क्योंकि भारतीय दर्शक इसके लिए तैयार नही हैं। मैंने एक 'सिसकी' नाम का शो किया था जिसमें मेरी शादी एक फौजी से हुई थी। फौजी अच्छा था लेकिन उबाऊ था। मेरा किरदार फौजी के जिंदादिल दोस्त की तरफ आकर्षित हो जाता है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

घुंघराले बालों पर लगाएं दही का मास्क, रातों रात हो जाएगा चमकदार

घुंघराले बालों को हमेशा पसंद किया जाता है, लेकिन ऐसे बालों को संभालना और उनकी देखभाल करना मुश्किल भरा काम होता है। स्ट्रेट और लंबे बालों वाली महिलाएं तो आसानी से हेयर स्टाइल बदल लेती हैं, लेकिन घुंघराले बालों में ऐसा करना दिक्?कत भरा होता है। अगर आप नेचरल कर्ली बालों की ठीक से देखभाल करें, तो वे बहुत सुंदर दिखते हैं। इन्हें सुंदर और हेल्दी बनाए रखने के लिए कर्ली बालों के लिए बने स्पेशल शैंपू और कंडिशनर इस्तेमाल करें। इस तरह के शैंपू बालों के क्यूटिक्लस तक जाते हैं, जिससे बाल कर्ली बने रहते हैं। आज हम आपको घुंघराले बालों के लिए दही का मास्क बता रहे हैं। **दही का मास्क :** इस मास्क को बनाना बहुत ही आसान है और कोई भी इसे बना सकता है। इसे बनाने के लिए आपको करीब 250 ग्राम दही, पेड़ से तोड़ा हुआ 1 टुकड़ा एलोवेरा और 2 अण्डे। अब आप इन सबको किसी एक कटोरे में डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस पेस्ट को अपने बालों की जड़ों पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। इस पेस्ट को आप हफ्ते में 2 से 3 बार लगा सकते हैं। आप खुद देखेंगे कि इससे आपके बाल मुलायम और अच्छे हो गए हैं। **इन तरीके भी हैं कारगार :** जिद्दी और बेकाबू घुंघराले बालों को संवारने के लिए उन पर पानी का हल्का छींटा मारकर बड़ें बैल्को रोलर लगा दें। ऊपर से शॉवर कैप पहनकर भाप लें, इससे बाल आसानी से सेट हो जाएंगे। इसके बाद हेयर ड्रायर से उन्हें एक मिनट तक सुखाएं और रोलर निकालकर बालों में उंगलियां फेरें। घुघराले बालों को नर्म बनाने के लिए हथेली पर लीव-इन कंडीशनर मलकर अपने सिर में लगाएं। इससे आपके बाल नरम बने रहेंगे और कंघी करने में ज्यादा टूटेंगे भी नहीं। घर से बाहर जाते समय आप अपने बालों को रूमाल से कवर कर रिबन भी बांध सकती हैं। घुंघराले बालों को मुलायम बनाएं रखने के लिए सप्ताह में कम से कम एक बार हॉट ऑयल ट्रीटमेंट जरूर करना चाहिए। इसके लिए आप दो से तीन चम्मच बादाम तेल या नारियल तेल को गरम करके अपने सिर में लगाइए। शाम के समय तेल लगाने के बार इसे रात भर ऐसे ही रहने दें। अगली सुबह बालों में शैम्पू कर लें। हॉट ऑयल ट्रीटमेंट के बाद बालों को मैनेज करने में आसानी होगी। अंडे के अंदर का सफेद भाग अच्छा प्राकृतिक कंडीशनर होता है। इसे दही के साथ मिलाकर लगाने से अंडे की बदबू कम हो जाती है और यह आपके बालों के लिए फायदेमंद रहेगा। दो अंडों की सफेदी को दो चम्मच दही में मिलाकर बालों में आधे घंटे के लिए लगाएं। सूखने पर इसे शैम्पू से धो लें। ऐसा करने से आपके लिए चमकीले और मुलायम हो जाएंगे। एक केले के गूदे को दो चम्मच बादाम या एवाकाडो तेल के साथ मिलाएं। अब इस पेस्ट को बालों की जड़ में आधे घंटे के लिए लगाएं। इसके बाद बालों को अच्छी तरह से धो लें। बालों को धोने के बाद इन पर कुछ समय के लिए तौलिया लपेटे, आपको बालों में अंतर दिखाई देगा। इन्हें संभालने में आपको आसानी होगी।

तीन दिन में करेगी लिवर की सफाई, किशमिश से बनाएं हेल्दी ड्रिंक

लिवर शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है जो रक्त को शुद्ध करने और भोजन को पचाने में मदद करता है। इससे बने बाइल जूस से खाना पचाने में मदद मिलती है। लेकिन हमारी बुरी आदतों जैसे ज्यादा तले भुने खाना, एक्सरसाइज न करना, जरूरत से ज्यादा धूम्रपान करना और शराब पीना जैसी बुरी लत का लिवर पर बहुत असर पड़ता है। अधिक दबाव पड़ने पर लिवर सही तरीके से विषाक्त पदार्थों कों बाहर नहीं निकाल पाता। शरीर से विषाक्त पदार्थ या गंदगी बाहर निकालने के लिए आप एक खास ड्रिंक की मदद ले सकते हैं। ये ड्रिंक बनती है किशमिश से और इसे पीने से सिर्फ 3 दिन में ही आपके लिवर की सारी गंदगी साफ हो जाती है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। आइये आपको बताते हैं किशमिश से लिवर डिटॉक्स करने की ड्रिंक बनाने की विधि।

क्यों फायदेमंद है किशमिश की ये ड्रिंक : किशमिश के पानी में भरपूर विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं जो हेल्थ के लिए

बेनिफिशियल हैं। किशमिश एनर्जी से भरपूर लो फैट फूड है इसमें काफी मात्रा में आयरन, पोटैशियम, विटामिन और एंटी ऑक्सीडेंटस होते हैं। इसको पानी में भिगोने पर इसके फायदे ओर भी बढ़ जाते हैं। यदि किशमिश के पानी का हम हर सुबह खाली पेट सेवन करे तो हमे कई तरह के फायदे होते है।

ड्रिंक बनाने के लिए सामग्रीः 2 कप (लगभग 400 मिलीग्राम) पानी 150 ग्राम किशमिश- **ड्रिंक कैसे बनाएंः** गहरे रंग की 150 ग्राम किशमिश को अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। 2 कप पानी को उबालने के लिए रख दें। जब पानी उबलने लगे, तो इसमें किशमिश डाल दें। 20 मिनट तक उबालने के बाद आंच बंद कर दें। अब किशमिश को रात भर के लिए इसी पानी में छोड़ दें। सुबह तक ये ड्रिंक तैयार हो जाता है। **कैसे करें इस ड्रिंक का सेवनरू** सुबह खाली पेट नाश्ते से आधे घंटे पहले इस पानी को लें और किशमिश को इसमें से छानकर अलग कर लें। अब इस पानी को पी लें और किशमिश को नाश्ते में चबाकर खाएं। केवल 3 दिन के प्रयोग से ही आपके लिवर में मौजूद सभी विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाएंगे और आपका लिवर पूरी तरह साफ हो जाएगा। **और भी हैं इस ड्रिंक के फायदेः** किशमिश के पानी में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंटस बॉडी के सेल्स को हेल्दी बनाकर कैंसर जैसी बीमारियों से बचाते हैं। किशमिश के पानी में अमीनो एसिड होते हैं जो एनर्जी देते हैं। थकान और कमजोरी दूर करने में मददगार हैं। इस पानी में विटामिन ", बीटा केरोटीन और आंखों के लिए फायदेमंद फायटोन्यूट्रिएंटस होते हैं। इससे नज़र की कमजोरी दूर होती है। किशमिस का पानी मेटाबॉलिज़्म अच्छा करके फैट बर्निंग प्रोसेस को तेज़ करता है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है। किशमिश के पानी में भरपूर कैल्शियम होता है। ये हड्डियों को मजबूत बनाता है। आर्थराइटिस और गठिया से बचाता है। किशमिश में मौजूद सॉल्युबल फाइबर्स पेट की सफाई करके गैस और एसिडिटी से छुटकारा दिलाते हैं। किशमिश के पानी में आयरन, कॉपर और" कॉम्प्लेक्स की भरपूर मात्रा होती है। ये खून की कमी दूर करके रेड ब्लड सेल्स को हेल्दी बनाता है।

नयी फिल्म में रणवीर को मिला अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार?

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह, तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'अनिन्यन' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे जिसका निर्देशन ख्यातिलब्ध फिल्मकार शंकर द्वारा किया जाएगा। शंकर, 2005 में आई मूल तमिल फिल्म के भी निर्देशक हैं। मनोवैज्ञानिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अनिन्यन' में दक्षिण के अभिनेता विक्रम ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म एक ऐसे किरदार पर आधारित थी जो कई पहचान वाली मनोवैज्ञानिक बीमारी (मल्टीपल पर्सनैलिटी डिस्ऑर्डर) से ग्रसित था। हिंदी रूपांतरण का निर्माण पेन स्टूडियोज के जयंतीलाल गड़ा द्वारा किया जाएगा। सिंह (35) ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए वरदान के समान है।

निर्देशक शंकर ने मूल संस्करण की रिलीज के 15 साल बाद हिंदी में फिल्म को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। दिलचस्प बात यह है कि जो निर्देशक देश भर में काफी चर्चित है, वह रणवीर-स्टारर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेगा। निर्देशक ने कहा कि इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह को चना क्योंकि वह एक बार के पीढ़ी के अभिनेता हैं जिन्होंने हमें दिखाया है कि वह अपने शानदार अभिनय के माध्यम से एक चरित्र को अमर कर सकते हैं। मैं एक अखिल भारतीय दर्शकों के लिए 'अनिन्यन' बनाने के लिए रोमांचित हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि यह शक्तिशाली कहानी सभी के दिलों में एक राग का संचार करेगी।

पहली बार रणवीर एक ऐसी फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे, जो ब्राह्मण परिवार के एक युवा कलाकार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो इऊए3-(पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) से पीडि.ति है और खुद के भीतर दो व्यक्तित्वों के साथ जूझता है - रेमो और अनिन्यन। यह एक सामान्य दोहरी भूमिका नहीं है, व्यक्तित्व में बदलाव निश्चित रूप से अभिनेता के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण होगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।